RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 86 ● भिलाई, शनिवार 04 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता राकेश सिंह ने सोनपुर विधानसभा क्षेत्र में दुर्गा पूजा में की शिरकत

सोनपुर। भाजपा नेता और प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने सोनपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आयोजित दुर्गा पूजा में सम्मिलित होकर माँ दुर्गा के चरणों में नमन किया। उन्होंने खरीका कसमर, पहलेजा, नवडीहा, नया बाजार, सबलपुर और माँ अम्बिका भवानी में पूजा में भाग लिया और क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर राकेश ने ग्रामीणों से मिलकर उनका हालचाल लिया और समाज की एकजुटता और क्षेत्र की प्रगति पर चर्चा की। स्थानीय लोगों का उत्साह और आस्था देखकर मन गर्व और खुशी से भर गया । सबलपुर नया बाजार में भाजपा नेता राकेश सिंह ने मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा से मिलकर उन्हें जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा नेता अविनाश शर्मा, पियूष कुमार और अन्य लोग उपस्थित थे।भाजपा नेता राकेश सिंह ने कामना की कि माँ दुर्गा हम सभी पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें। इस पावन अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर माँ दुर्गा की पूजा में भाग लिया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

भारत के 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के लिए 7 कंपनियों ने लगाई बोली

नईदिल्ली। भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। 7 भारतीय कंपनियों ने इसके प्रोटोटाइप डिजाइन और विकसित करने के लिए बोली लगाई है। अब इनमें से 2 कंपनियों का चयन किया जाएगा, जो रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ मिलकर लड़ाकू विमानों पर काम करेगी। सबकुछ ठीक रहा तो 2035 के आसपास भारत को 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान मिल सकता है। जिन कंपनियों ने बोली लगाई हैं, उनमें लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड, कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स और अडाणी डिफेंस शामिल हैं। अब ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व प्रमुख ए शिवथानु पिल्लई के नेतृत्व वाली एक समिति इन बोलियों का मूल्यांकन करेगी।

गृहमंत्री शाह का सीएम साय ने विमानतल पर किया आत्मीय स्वागत

बस्तर दशहरा में करेंगे शिरकत इन अहम मुद्दों पर करेंगे चर्चा..

रायपुर/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह आज छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी रायपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वामी विवेकानंद विमानतल पर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। विमानतल पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ,पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, मुख्य सचिव श्री विकास शील, अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, आईजी श्री अमरेश मिश्रा, संभागायुक्त श्री महादेव कावरे, कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने भी केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के साथ जगदलपुर प्रवास पर रहेंगे, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। यहां से वे सीधे नवा रायपुर के एक निजी होटल जाएंगे। वहीं पर रात में आराम करेंगे। इस दौरान प्रदेश के सीनियर बीजेपी नेताओं के साथ कई सियासी मुद्दों पर बैठक कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, शाह राज्य की वर्तमान राजनीतिक हालात और आगामी रणनीतियों पर बीजेपी नेताओं से चर्चा कर सकते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों

में शामिल होंगे। चार अक्टूबर को सुबह में बस्तर पहुंचेंगे। फिर दंतेवाड़ा में सुबह साढ़े ग्यारह बजे माता दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। फिर मुरिया दरबार में शामिल होंगे। यह बस्तरिया आदिवासी परंपरा और संस्कृति से जुड़ा अहम आयोजन है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। शाह के आगमन को लेकर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी। शाह दोपहर एक बजे विश्व विख्यात बस्तर दशहरा में भी शामिल होंगे। इसके बाद वे अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। आदिवासी समाज से सीधा संवाद भी कर सकते हैं। फिर बस्तर से रायपुर पहुंचेंगे। यहां से वापस दिल्ली लौट जायेंगे। सबसे बड़ी और खास बात ये है कि शाह के इस दौरे का सबसे बड़ा उद्देश्य नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में चल रहे नक्सल अभियानों की समीक्षा करना है। वे बस्तर में सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक लेंगे। नक्सल अभियान की प्रगति की समीक्षा करेंगे। बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री ने मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ सहित देश को नक्सलमुक्त करने का संकल्प लिया है। इस दिशा में सुरक्षा बल लगातार छत्तीसगढ़ में सक्रिय है। आये दिन नक्सली एनकाउंटर में मारे जा रहे हैं।

बेहतर नक्सल पुनर्वास नीति से नक्सली कर रहे सरेंडर-सीएम साय...

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरे से पहले बीजापुर जिले में दो अक्टूबर को 103 नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफलड़ाई में सुरक्षा बल के जवानों को लगातार सफलता मिल रही है। साथ ही हमारी सरकार की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति और नियदनेल्लानार से प्रभावित होकर नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। अब तक 1890 से अधिक माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जो सरकार की नीतियों की प्रभावशीलता और जनता के विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 और नियदनेल्लानार योजना ने लाल आतंक के भ्रम से भटके लोगों के दिलों में विश्वास और आशा का दीप प्रज्वलित किया है।

सर क्रीक विवाद अचानक से चर्चा में क्यों आया

पाकिस्तान को चेताते हुए कहा इतिहास-भूगोल सब बदल देंगे

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच सर क्रीक विवाद दोनों पड़ोसियों के बीच लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय विवादों में से एक है, जिसकी जड़ें भारत की आज़ादी से पहले की हैं। हालाँकि यह विवाद अक्सर व्यापक भारत-पाकिस्तान संबंधों में गौण हो जाता है, फिर भी यह विवाद अपने सामरिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों के कारण महत्वपूर्ण है। भारत के शीर्ष खुफ़िया और नौसेना सूत्रों ने खुलासा किया है कि किस तरह से पाकिस्तान सिंध के दक्षिण-पूर्वी इलाके में भारत और पाकिस्तान के बीच

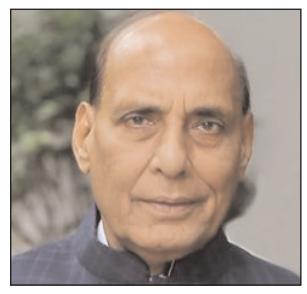

विवादित क्षेत्र सर क्रीक में सैन्य परिसर, सैन्य छावनियां और आपातकालीन हवाई पट्टियां स्थापित कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में सर क्रीक क्षेत्र के पास पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे सैन्य निर्माण को लेकर उसे कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी दुस्साहस का इतना कड़ा जवाब मिलेगा कि वह इतिहास और भूगोल दोनों बदल सकता है। शस्त्र पूजन के अवसर पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने पाकिस्तान पर लंबे समय से चले आ रहे सर क्रीक विवाद को जानबूझकर भड़काने का आरोप लगाया, जबकि भारत इसे बातचीत के ज़रिए सुलझाने के बार-बार प्रयास कर रहा है। सिंह ने कहा कि गुजरात तटरेखा के साथ रणनीतिक रूप से संवेदनशील सर क्रीक से सटे इलाकों में पाकिस्तानी सैन्य बुनियादी ढांचे का हालिया विस्तार पाकिस्तान के अस्पष्ट इरादों और उकसावे वाले रुख को दर्शाता है।

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम

बीजापुर। बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के थाना पामेड़ क्षेत्र अंतर्गत एफओबी काउरगुट्टा क्षेत्र के जंगलों में कोबरा 208 बटालियन के जवानों ने नक्सल गश्त सर्चिंग कार्रवाई के दौरान नक्सलियों द्वारा गड्ढे में छुपाकर रखे गए भारी मात्रा में विस्फोटक एवं दैनिक उपयोग की सामग्री का डंप बरामद किया है। बरामद सामग्री को नक्सलियों ने ग्राम कंचाल के जंगलों में जमीन में गड्ढा खोदकर छिपा रखा था। यह सामग्री नक्सलियों द्वारा किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने के लिए जमा की गई थी। इस साजिश को सुरक्षा बलों की सतर्क कार्रवाई से समय रहते विफल कर दिया। डंप से गन पावडर, बीजीएल सेल, कार्डेक्स वायर बीजीएल राऊंड, आरडीएक्स, इलेक्ट्रीक डेटोनेटर, नॉन इलेक्ट्रीक डेटोनेटर, पटाखे, इम्प्रोवाइज्ड तीर बम।

ऑपरेशन सिंदूर-आईएएफ प्रमुख का खुलासा

भारत ने पाकिस्तान के 4-5 लड़ाकू विमान गिराए-सिंह..

नई दिल्ली/ एजेंसी

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय भारतीय सशस्त्र बलों की एकता को देते हुए कहा कि इसने दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर करने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढाँचे को निशाना बनाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के तहत सटीक हवाई हमले किए। भारत ने अपने

हमले में नौ आतंकवादी शिविरों पर हमला किया और 100 से ज़्यादा आतंकवादियों का सफ़ाया कर दिया। 93वें वायुसेना दिवस समारोह में बोलते हुए, एयर मार्शल सिंह ने कहा कि आतंकवादियों को पहलगाम के कायराना हमले की कीमत चुकाने की भावना थी। उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिक्रिया इतिहास में एक स्पष्ट उद्देश्य के साथ शुरू हुई और बिना ज़्यादा समय गँवाए तेज़ी से पूरी हुई प्रतिक्रिया के रूप में दर्ज की जाएगी। उन्होंने सीमा पार से चार दिनों की गोलीबारी के बाद 10 मई को शत्रुता समाप्त करने के लिए बनी सहमति का ज़िक्र करते हुए कहा, हम उन्हें उस मुकाम तक पहुँचा सकते थे। जहाँ वे युद्धविराम की माँग करें, युद्धविराम की माँग करें, और हमने एक राष्ट्र के रूप में उन अवसरों को समाप्त करने का भी फ़ैसला किया क्योंकि हमारे अपने उद्देश्य पूरे हो गए हैं।

भारत-रूस साझेदारी और मजबूत

पुतिन ने पीएम मोदी को बताया बुद्धिमान नेता....

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें बुद्धिमान नेता बताया और कहा कि वह हमेशा अपने देश के हितों को प्राथमिकता देते हैं। रशिया टुडे के अनुसार, पुतिन ने सोची में वल्दाई डिस्कशन क्लब के दौरान भारत और रूस के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी की मजबूती पर जोर दिया। पुतिन ने कहा, भारत और रूस के बीच खास रिश्ता है। लगभग 15 साल पहले हमने विशेष रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की थी, और यह हमारे संबंधों का सबसे सटीक वर्णन है। पीएम मोदी एक

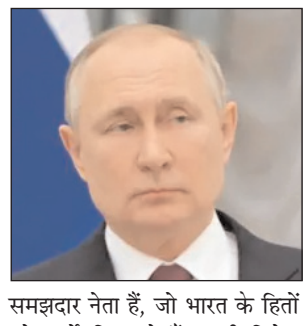

समझदार नेता हैं, जो भारत के हितों को सर्वोपरि रखते हैं। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जल्द ही भारत आ सकते हैं, ताकि दिसंबर में होने वाली पुतिन की नई दिल्ली यात्रा की तैयारियों और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हो सके।

बूढ़े मां बाप का साथ छोड़ना शर्मनाक :कुलपति

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक एवं वृद्ध दिवस के अवसर पर वृद्धाश्रम सैयद अलीपुर में बुजुर्गों से मिलकर उन्हें फ्रूट मिष्ठान आदि खाद्य सामग्री वितरित किया । इस पल में वह वृद्धो को देखकर भावुक हो गई । उन्होंने कहा कि लालन-पालन करने वाले मां-बाप को बच्चों द्वारा छोड़ देना बेहद शर्मनाक व गलत है । वृद्धाश्रम में पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ विजय कुमार सिंह संयोजक के नेतृत्व में वृद्धाश्रम पर वृद्ध सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वन्दना सिंह ने वृद्धा आश्रम में बुजुर्गों से मिली , उन्हे माला पहनाकर उनका सम्मान बढ़ाया हौसला अफ्जाई की।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 11 बच्चों की मौत मामले में

2 साल से कम के बच्चों को कफ सिरफ न पिलाएं,11 बच्चों की मौत के बाद सरकार ने जारी की एडवाइजरी

भोपाल। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 11 बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने छोटे बच्चों को कफ सिरप देने के खिलाफ चेतावनी जारी की है। मध्य प्रदेश का छिंदवाड़ा ज़िला पिछले एक पखवाड़े में किडनी फेल होने से नौ बच्चों की मौत से स्तब्ध है। मध्य प्रदेश और पड़ोसी राज्य राजस्थान, जहाँ कुछ दिन पहले सीकर में भी ऐसी ही एक मौत हुई थी। जिसके बाद स्वास्थ्य अधिकारियों को अब संदेह है कि अंगों के फेल होने के ये मामले दूषित कफ सिरप के सेवन से जुड़े हैं। मरने वाले नौ बच्चों में से कम से कम पाँच को कोल्ड्रेफ़ लेने का इतिहास था, और एक ने नेक्स्ट्रो सिरप लिया था। निजी डॉक्टरों को सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी वायरल मरीज़ का निजी तौर पर इलाज न किया जाए, बल्कि उसे सीधे सिविल अस्पताल भेजा जाए। इन दुखद घटनाओं के बाद डेक्सट्रोमेथॉर्फ़न हाइड्रोब्रोमाइड सिरप के बैचों की तत्काल जाँच की गई और राज्य भर में उनके वितरण पर रोक लगा दी गई। फ़िलहाल, सर्दी, बुखार और फ्लू जैसे लक्षणों से प्रभावित 1,420 बच्चों की सूची पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि जिन कफ सिरप को इन मौतों के

लिए ज़िम्मेदार ठहराया गया है, उनके नमूनों में कोई मिलावट नहीं पाई गई। मंत्रालय ने कहा कि जाँच के नतीजों से पुष्टि हुई है कि सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) या एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) नहीं था, जो किडनी को गंभीर नुकसान पहुँचाने वाले रसायन माने जाते हैं। कफसिरप से बच्चों की मौत होने के मामले में जांच को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि जो दवाई है, जो जिन माताओं ने अपने बच्चों की दी है, वह हमारे सरकारी अस्पताल के न तो पर्चे पर लिखी गई थी और न ही उसे लेने के लिए सुझाव दिया गया था। अब कोई भी मां-बाप कहीं से दवाई लेकर (अनप्रिस्क्रिप्टेड) दे देंगे और उससे ऐसा हादसा हो जाए तो उसमें स्वास्थ्य विभाग की कोई भूमिका नहीं। यह मामला हमारे डिपार्टमेंट के दायरे से बाहर का है।

सेना प्रमुख का बड़ा बयान

पाकिस्तान को चेतावनी....जनरल द्विवेदी बोले ऑपरेशन सिंदूर 2 में संयम नहीं बरतेगा भारत

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर सीमा पार आतंकवाद जारी रहा तो भारत 'ऑपरेशन सिंदूर 2' में पहले जैसा संयम नहीं बरतेगा। द्विवेदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा- पाकिस्तान को सोचना होगा कि भूगोल के नक्शे में रहना है या नहीं। यदि भूगोल में रहना है, तो आतंकवाद को रोकना होगा। राजस्थान के सीमावर्ती इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में जनरल द्विवेदी ने कहा- अगर पाकिस्तान विश्व इतिहास और भूगोल में अपनी जगह बनाए रखना चाहता है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना होगा। इस बार हम ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान दिखाए गए संयम को नहीं दिखाएंगे और अगर फिर से उकसाया गया तो एक कदम आगे बढ़ जाएंगे। इस दौरान सेना प्रमुख ने थलसेना और बीएसएफ अधिकारियों के साथ बैठक कर अग्रिम रक्षा तैयारियों का जायजा भी लिया। 7 मई को हुए ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को हिला दिया था। भारतीय सशस्त्र बलों ने इस दिन सटीक हमले किए, जिनमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के अंदर तक जाकर 9 आतंकी लॉन्चपैड नष्ट किए गए। इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था, जिसमें 26 निर्दोष

नागरिकों की जान गई थी। भारत की कार्रवाई से बौखलाए पाकिस्तान ने अगले 2-3 दिनों में ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश की। इनका निशाना भारत के सैन्य और नागरिक ठिकाने थे। लेकिन भारतीय बलों ने इन हमलों को नाकाम कर दिया और किसी भी बड़े प्रतिष्ठान या नागरिक स्थान को नुकसान नहीं होने दिया। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा- पूरी तरह तैयार रहें। ईश्वर की कृपा से आपको बहुत जल्द एक और मौका मिलेगा। शुभकामनाएँ। जय हिंद। यह बयान संकेत देता है कि आने वाले समय में भारत और भी कड़ी कार्रवाई कर सकता है। 10 मई को स्थिति तब शांत हुई जब पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय समकक्ष को फोन कर युद्धविराम की अपील की। भारत ने इसे स्वीकार कर लिया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित कराई।

दीपावली की भाई दूज से

लाडली बहनों को प्रतिमाह 1500 रुपए मिलेगी-मोहन

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर शहर में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सव कार्यक्रमों में मंगलवार देर रात सम्मिलित हुए। कार्यक्रमों में पहुँचते ही उपस्थित नागरिकों और श्रद्धालुओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पारंपरिक धुनों पर मां दुर्गा की आराधना की और माता रानी से प्रदेश की समृद्धि, सुख-शांति एवं नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नवरात्रि केवल पूजा का पर्व ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और

सहअस्तित्व का माध्यम भी है। गरबा और डांडिया जैसे आयोजन सामाजिक सद्भाव और उत्साह को मजबूत करते हैं। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे रंग-बिरंगे परिधानों में गरबा नृत्य में सहभागी बने। मंच से कलाकारों ने देवी भजनों और पारंपरिक गीतों की प्रस्तुतियाँ दीं।

भारतीय जनता पार्टी बेरला मण्डल ने किया निःशुल्क स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

बेमेतरा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर चलाये जा रहे सेवा पखवाड़ा अंतर्गत स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, प्रबुद्धजन सम्मेलन,एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियान चलाए जा रहे है। इसी कड़ी में बेरला नगर के सिन्हा धर्मशाला (बेरला बायपास) में भारतीय जनता पार्टी बेरला मंडल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्यचित्र में माल्यार्पण कर दिप प्रज्वलित किया गया। ततपश्चात शिविर में सेवा दे रहे डॉ और सभी सहयोगियों के स्वागत कर शिविर की शुरआत की गई। जितने भी स्वास्थ्य परीक्षण कराने वाले लोग थे उनके नाम की एंट्री कर पर्ची के माध्यम से क्रमबद्ध सम्बंधित डॉ के पास भेजा जाता। फिर डॉ के द्वारा चेक कर दवाई दी जाती। रक्तदान करने वालो का बीपी शुगर चेक करने के

बाद ही उनको रक्तदान करने दिया जाता और रक्तदान करने के बाद उन्हें प्रमाण पत्र भेंट किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 169 लोगो ने अपने स्वास्थ्य का जांच कराया और रक्तदान शिविर में 49 लोगो ने रक्तदान किया। यह शिविर सुबह 11 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे तक चला जिसमे नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ विकास मिश्रा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ निशा साहू, हड्डी रोड विशेषज्ञ डॉ अभिजीत सिंह,एवं जनरल चेकअप के लिए विशेषज्ञ डॉ अश्वनी मिश्रा और सहयोगी योगेश परगनिहा, सुरेंद्र साहू, चंचल साहू, निकोलस, फगेश्वरी, जयप्रकाश मेडिशाईन हॉस्पिटल के स्टाफ ने स्वास्थ्य जांच करने में सहयोग प्रदान किया। इसी कड़ी में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा के माध्यम से हम सभी को समाज मे सेवा करने का एक और मौका मिला है और भाजपा के सभी कार्यकर्ता पूरे विधानसभा क्षेत्र में मेहनत कर सेवा पखवाड़ा में अपनी सहभागिता दे रहे है। हर कार्यक्रम को सफल बना रहे है, स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर में सहयोग करने वालो को धन्यवाद देते हुए अपना सम्बोधन समाप्त किये। पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जिनके जन्मदिन पर ऐसे शिविर का आयोजन हो रहा है और ऐसे प्रधानमंत्री जो अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की चिंता करते है, देश की सेवा के लिए अपना हर पल न्यौछावर करते है, उनके प्रेरणा से ही हमको शिविर के माध्यम से या स्वच्छता के माध्यम से सेवा करने का अवसर मिल रहा है। रक्तदान शिविर में युवाओं के अलावा बहनों ने भी रक्तदान किया। यह सकरात्मक और नारी शक्ति का उदाहरण है। इस सेवा पखवाड़ा में जुड़े भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हुं। इस शिविर में विशेषरूप से बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, प्रदेश मंत्री संध्या परगनिहा, जिला महामंत्री नरेंद्र वर्मा, मण्डल अध्यक्ष डोमेन्द्र सिंह राजपूत, जिला पंचायत सभापति प्रीतम चन्देल, न.पं अध्यक्ष विशाल देशलहरे, संतोष साहू, बलराम पटेल, संजीव तिवारी, सेवा पखवाड़ा संयोजक नारायण पटेल, सहसंयोजक आशीष सोनी, पार्षदगण मानक चतुर्वेदी, बलराम यादव, लता वर्मा, उमा नेताम, झड़ी सिन्ह, बलराम शिवारे, युगल पाटिल, आशीष टण्डन, जित्तू जैन, मथुरा साहू, युवा मोर्चा से रोहित माहेश्वरी, दीक्षांत साहू, लालू साहू, नितेश सोनी, अरविंद ठाकुर, हितेश्वर निर्मलकर, मनोज वैष्णव, साहिल गेन्द्रे, पुरुषोत्तम यादव, पोषण निर्मलकर, अमृत माहेश्वरी, सिम्पू परगनिहा, प्रह्लाद वर्मा, कन्हैया सेन, पप्पू वर्मा, रॉकी वर्मा, थानेश्वर साहू, मुकेश राजपूत, श्याम राजपूत, जहर साहु, मोहित साहू, भुनेश्वर यादव, राकेश निर्मलकर तथा भाजपा के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रजत जयंती वर्ष पर साइक्लोथॉन में सरस्वती साहु हुई पुरस्कृत

बलौदाबाजार। शासकीय दाऊ कल्याण महाविद्यालय बलौदाबाजार की एमएससी की छात्रा एवं रासेयो स्वयंसेविका सरस्वती साहु ने छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष और विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर बलौदाबाज़ार जिला मुख्यालय में आयोजित टूर दी बलौदा' साइक्लोथॉन में द्वितीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। जिले में 'टूर दी बलौदा' साइक्लोथॉन का भव्य आयोजन हुआ, यह सायकल यात्रा खेल, संस्कृति और पर्यटन का अद्वितीय संगम साबित हुआ। इस प्रतियोगिता में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 150 से अधिक साइक्लिस्ट अन्य जिलों और राज्यों से पहुंचे थे। सरस्वती साहु को मेडल, शील्ड, प्रमाणपत्र एवं 15000 नकद पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतिभावान सरस्वती साहु स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, रक्तदान, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, मतदाता जागरूकता एवं अन्य सामाजिक उत्तरदायित्व में अपनी अहम भूमिका निभा रही है।

सायकल यात्रा का शुभारंभ राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने सोनबरसा वन विहार से साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह साइकिल यात्रा 50 किलोमीटर की रही। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ ए आर सी जेम्स एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी नरेन्द्र देव मिर्झा ने इस साइकिल रैली में भाग लेने वाले सभी महाविद्यालयीन छात्र-छात्राों को बधाई दिया। महाविद्यालय से गिरिराज साहु, तेजस्वी शर्मा, गोविंद वर्मा, हरीश,रूपेश, दिनेश यादव एवं अन्य छात्र शामिल रहे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कुरूवा में सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

कवर्धा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा अपने कबीरधाम प्रवास के दौरान ग्राम कुरूवा पहुँचे। यहाँ उन्होंने नवनिर्मित सामुदायिक भवन का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने आत्मीय स्वागत कर उपमुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात् शर्मा ने ग्रामवासियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को विस्तार से सुना। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करना है। इसी क्रम में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। शर्मा ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की समस्या को नियमानुसार प्राथमिकता पर हल किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गाँव, गरीब, किसान और आमजनों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन का निर्माण ग्रामीणों की सामाजिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक गतिविधियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यह भवन गाँव के सामूहिक आयोजनों, बैठकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक सशक्त केन्द्र बनेगा। शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाएँ और विकास कार्य अब सीधे गाँव-गाँव तक पहुँच रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, पेयजल, कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है।

देवी मंदिरों में स्थापित मनोकामना ज्योति कलश एवं देवी मूर्ति का विसर्जन

कन्या की भी पूजा कर कराया गया भोजन

बेमेतरा। नगर के विभिन्न देवी मंदिरों में नवरात्रि पर्व पर स्थापित मनोकामना ज्योति कलश का विधि विधान के साथ विसर्जन किया गया। इसके साथ ही जिला के विभिन्न स्थानों पर पंडालों में स्थापित माता दुर्गा भवानी का की मूर्ति का भी नौ कन्या भोजन के उपरांत विधि विधान के साथ आतिशबाजी क साथ शोभा यात्रा निकालकर शिवनाथ नदी में विसर्जन किया गया जो दूसरे दिन भी जारी रहा। वहीं विभिन्न घरों में भी स्थापित मनोकामना जोत जवारा एवं मनोकामना ज्योति कलश का विसर्जन

श्रद्धा भक्ति के और आस्था के साथ किया गया। जबकि नवरात्रि पर्व पर उपवास रहने वाले श्रद्धालुओं के द्वारा नौ कन्या की पूजा के बाद कर कर उन्हें भोजन कराया गया। नवरात्रि पर्व पर महाअष्टमी की पूजा अर्चना एवं पूर्णाहुति के साथ महाआरती की गयी। तदुपरांत दूसरे दिन देवी मंदिरों में स्थापित मनोकामना ज्योति कलश का विसर्जन करने का क्रम सुबह से प्रारंभ हो गया। सबसे पहले महामाया मंदिर में स्थापित मनोकामना ज्योति कलश को महिलाओं के द्वारा कतार बद्ध होकर निकाला गया, जो बाजार पारा में स्थापित स्थित माता शीतला मंदिर के पास पहुंचे। वहां पर शीतला मंदिर में स्थापित मनोकामना ज्योति कलश को महिलाओं के द्वारा कतार बद्ध होकर निकाला गया। तदुपरांत विभिन्न जस गीत मंडली के द्वारा जस गीत एंव आतिशबाजी के साथ बाजार पारा में स्थित माता भद्रकाली मंदिर के पास तालाब में पहुंचे जहां पर बैगाओ के द्वारा मनोकामना कलश विसर्जन के पूर्व पूजा किया गया तदुपरांत एक एक करके ज्योति कलश को विसर्जित किया गया। वहीं माता भद्रकाली में स्थापित मनोकामना ज्योति कलश को वही मंदिर परिसर में ही शांत किया गया।

नव कन्याओं की पूजा कर भोजन कराया गया

नवरात्रि पर्व में विभिन्न श्रद्धालुओं के द्वारा 9 दिन तक उपवास रहने वाले नौ कन्या की पूजा कर उन्हें भोजन कराया गया है। इसके पहले श्रद्धालुओं ने नौ कन्या की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर सिंगार के समान एवं वस्त्र भेंट किया गया और उसके बाद उन्हें विभिन्न प्रकार के मिष्ठान सामग्री दिया गया।

जिला प्रशासन के प्रयासों से देश का पहला बाल विवाह मुक्त जिला बना बालोद

दल्लीराजहरा। जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से एवं समाज के सभी वर्गों के सहयोग से पिछले सवा दो वर्षों के अवधि के दौरान एक भी बाल विवाह के प्रकरण प्राप्त नहीं होने पर बालोद जिले को देश का पहला बाल विवाह मुक्त जिला बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं संपूर्ण जिलेवासियों के सहयोग से बालोद जिले को देश का पहला बाल विवाह मुक्त जिला बनने का गौरव प्राप्त होने पर बालोद जिला प्रशासन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भी बालोद जिले को मिले इस

महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने बालोद जिले के इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ राज्य सहित संपूर्ण देश के लिए प्रेरणादायी बताया। उल्लेखनीय है कि जिले के किसी भी ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों में मई 2023 के पश्चात् अब तक एक भी बाल विवाह के प्रकरण प्राप्त नहीं होने पर जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से बालोद जिले को यह महत्वपूर्ण उलपब्धि हासिल हुआ है। विदित हो कि बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत या नगरीय निकाय बनने के लिए संबंधित ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों में विगत 02 वर्षों में एक भी बाल विवाह के प्रकरण प्राप्त नहीं होना अनिवार्य है। बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय बनने के प्रक्रिया के अंतर्गत ग्राम पंचायत के लिए ग्राम सभा बुलाकार इस संबंध में प्रस्ताव पारित कराना अनिवार्य होता है। उसके पश्चात् इसका अभिलेखीकरण कर कलेक्टर को प्रस्ताव प्रेषित किया जाता है। नगरीय निकायों के लिए भी यही प्रक्रिया निर्धारित है। इन सभी प्रक्रियाओं के उपरांत कलेक्टर द्वारा संबंधित ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय घोषित होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। बालोद जिले के सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में उपरोक्त सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के उपरांत कलेक्टर दिव्या मिश्रा के द्वारा 436 ग्राम पंचायतों एवं 09 नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित होने के संबंध में प्रमाणपत्र भी जारी कर दिया गया है। इस संबंध में आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन और विधिक प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत अब बालोद जिले के सभी ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त होने का दर्जा मिल गया है। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने संपूर्ण जिलेवासियों के समवेत प्रयासों से बालोद जिले को देश का पहला बाल विवाह मुक्त जिला बनने का गौरव प्राप्त होने पर पूरे बालोद जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मिश्रा ने कहा कि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए अभियान से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि सहित बालोद जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने में सहभागिता निभाने वाले प्रत्येक व्यक्ति बधाई के पात्र है। उन्होंने अथक प्रयासों से बालोद जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु संपूर्ण जिलेवासियों सहित समाज के सभी वर्गों के लोगों के प्रति विनम्र आभार माना है।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कवर्धा। कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा में 23 से 29 सितंबर तक सात दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि वनमंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल शामिल हुए। प्रशिक्षण में कबीरधाम जिले के विभिन्न गांवों से चयनित 25 कृषकों ने भाग लिया, जिनमें ग्राम नाउडीह, पड़कीकला, महली, खरहट्टा, जमुनिया, नेवारी, मगरवाड़ा, रापा, मोटियारी, मोतिमपुर, कवर्धा, सारंगपुर एवं सिल्हाटी के कृषक सम्मिलित थे। मुख्य अतिथि द्वारा सभी 25 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। मुख्य अतिथि अग्रवाल ने कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा के प्रक्षेत्र का भी अवलोकन किया तथा केन्द्र की गतिविधियों की सराहना करते हुए वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रशिक्षण के दौरान राज्य के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों से आए वैज्ञानिकों ने मधुमक्खी पालन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। इसमें मधुमक्खियों के प्रकार, फूल प्रबंधन एवं रख-रखाव, उपकरणों का उपयोग, स्थान का चयन, शहद निष्कर्षण की विधि, बाजार की मांग, विक्रय एवं पैकेजिंग जैसे विषय शामिल रहे। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया। कृषकों को बताया गया कि मधुमक्खियां फसलों के परागण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे फल, सब्जी एवं दलहनी फसलों की पैदावार बढ़ती है और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

एसएसपी साहू ने किया थाना नांदघाट एवं चौकी मारो का वार्षिक निरीक्षण

बेमेतरा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के द्वारा थाना नांदघाट एवं चौकी मारो का वार्षिक निरीक्षण किया गया। एसएसपी महोदय द्वारा निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों का मनोबल बढाये जाने के साथ ही कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। निरीक्षण के दौरान थाना/चौकी की जप्ती माल, मालखाना, जप्ती रजिस्टर, जरायम, शिकायत, डियुटी रजिस्टर, मुर्त रजिस्टर, हिस्ट्रीशीट, ग्राम अपराध पुस्तिका, फ्रिंगर प्रिंट रजिस्टर, थाना/चौकी की अन्य रजिस्टर व तख्ती चेक किये एवं थाना का भ्रमण कर थाना की साफ सफाई हेतु विशेष ध्यान रखने हेतु तथा लंबित अपराधो, मर्ग, गुम, शिकायत और लंबित वारंटो की निकाल करने एवं असमाजिकतत्वो के विरूद्ध अधिक से अधिक प्रतिबंधात्मक एवं बाउंड ओवर की कार्यवाही करने व असामाजिक तत्वों तथा निगरानी बदमाशों, गुण्डों, शराब पीकर हुल्लड/मारपीट करने वालों के विरूद्ध सख्त प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने निर्देश दिए गए। तथा वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त पत्रों का सही समय में निकाल करने एवं वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त दिशा निर्देशों का पालन करने, ई-साक्ष्य का उपयोग करने व समस्त स्टाफ को डियुटी के दौरान निर्धारित साफ सुथरी वर्दी धारण करने तथा थाना में रिपोर्ट करने आये महिला आगंतुक / रिपोर्टकर्ता से संयमित व्यवहार करने एवं उनकी रिपोर्ट को गंभीरता पुर्वक लेते हुये तत्काल उचित कार्यवाही करने तथा अवैध कारोबारियो, अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली दवा एवं अन्य अवैध कार्यो में लिप्त लोगो के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने, मजबूत सूचना तंत्र विकसित कर बेहतर पुलिसिंग करने, निर्देशित किया गया। चोरियो एवं अपराधो पर अंकुश लगाने हेतु रात्रि में गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त सुदृढ करने, गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त के दौरान हाटल, लाज, ढाबा, एटीएम, बैक, बस स्टैण्ड, प्रतिक्षालय एवं संदिग्ध व्यक्तियो कि चेकिंग करने, अधिकारियों व जवानों को रात में गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त कर गली ङ्क मोहल्लें एवं चप्पे-चप्पे पर अपनी पैनी नजर रखने, साथ ही आसपास के ग्रामीण इलाकों में गस्त को बढ़ाने व लगातार रात में गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त करने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तथा गुम नाबालिक बालक, बालिकाओं के दस्तयाब हेतु आपरेशन मुस्कानके तहत अभियान चलाकर यथाशीघ्र निराकरण करने एवं आपरेशन ईगल अभियान के तहत लंबित स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंट तामिल करने निर्देशित किया गया। सायबर अपराध पर नियंत्रण हेतु रेंज तथा जिलों में सायबर प्रहरी का प्रचार-प्रसार कर व्हाट्सएप ग्रुप बीट वाईस बनाया गया है उसमें अधिक से अधिक लोगो को जोडकर जन जागरूकता अभियान चलाया जाने एवं सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के माध्यम से हॉट/बाजारों एवं ग्रामों, स्कुल कालेजों में जागरूकता अभियान चलाने आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वार्षिक निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी नांदघाट उप निरीक्षक भुनेश्वर यादव, चौकी प्रभारी मारो सउनि जितेन्द्र कश्यप, सउनि यागेश्वर देशमुख, प्रधान आरक्षक विजय शुक्ला, रविन्द्र तिवरी, नयन दास रात्रे, महिला प्रधान आरक्षक अनुपमा दुबे, आरक्षक आकाश राजपूत, गोविन्द सिंह, देवनारायण साहू, नरेन्द्र बंजारे, अजय गोयल, प्रताप यादव, बालमुकुंद सिंह, कमलेश ध्रुव, चेतन वैष्णव, साधराय कौशल, संजू नाथ योगी, रूपेन्द्र राजपूत सहित थाना/चौकी के अन्य अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने ब्रह्मा कुमारी पूर्णिमा बहिन ने कराया राजयोग शिविर आयोजित

दल्लीराजहरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय दल्लीराजहरा के तत्वावधान में आरपीएफ रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को मानसिक तनाव से मुक्ति पर राजयोग शिविर ब्रह्मा कुमारी पूर्णिमा बहिनजी ने कराया जिसमें भाग लेने वाले आरपीएफ से टीआई विकास कुमार तिवारी, टीआई श्यामलाल, एएसआई किरण बेजामिन थी, साथ में आरपीएफ के 40 जवानों भी उपस्थित थे। इन्ही के साथ वार्ड नंबर 26 की पार्षद टी. ज्योति, भाजपा मंडल की उपाध्यक्ष गीता मरकाम, तारणी गवर्ना भी थी। ब्रह्मा कुमारीज़ ज्ञानांजलि भवन दल्लीराजहरा की संचालिका ब्रह्मा कुमारी पूर्णिमा बहिन ने मानसिक तनाव की मुक्ति के लिए राजयोग आत्मचिंतन का अभ्यास कराया और अपने वक्तव्य में कहा कि मन के अंदर जो सोच है विचार है उसको सकारात्मक रखना अत्यंत आवश्यक है जो आत्मचिंतन से ही होगा। उन्होंने आत्मचिंतन करने की विधि बताते हुए कहा कि आत्मा के अंदर शांति सुख, प्रेम, आनंद, पवित्रता, ज्ञान, शक्ति समाहित है। इस आत्मचिंतन का प्रतिदिन करने से मानसिक तनाव से मुक्ति मिल सकती है।

वरिष्ठजन दिवस पर विधिक जागरूकता के साथ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के आदेशानुसार एवं माननीय बृजेन्द्र कुमार शास्त्री, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन में व अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में दिनांक 01.10.2025 को ग्राम चोरभट्ठी, फ्री व ग्राम मोहभट्ठा में स्टेट प्लान ऑफएक्शन वर्ष 2025-26 के तहत विशेष दिवस 01 अक्टूबर वरिष्ठजन दिवस मनाया गया इस अवसर पर वरिष्ठजनों के लिए विधिक जागरूकता शिविर के साथ एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को उनके स्वास्थ्य की देखभाल एवं उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के संबंध में जानकारी दिया गया। उक्त स्वास्थ्य जांच शिविर में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का रक्तचाप, शुगर आदि की निःशुल्क जांच की गई साथ ही उन्हें आवश्यक दवाईयां भी निः शुल्क वितरित की गई। इस शिविर में बड़ी संख्या में वरिष्ठजनों ने स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। विधिक जागरूकता शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्र एवं लीगल डिफेंस काउंसिल के अधिवक्तागणों द्वारा वरिष्ठ नागरिक अधिनियम, 2007, पेंशन संबंधी अधिकार, संपत्ति संरक्षण, ठगी से बचाव आदि के संबंध महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उक्त दिवस पर तालुका विधिक सेवा समिति, साजा के ग्राम तेन्दुभाठा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इसके साथ ही उन्हें नालसा टोल फ्री नंबर 15100 के माध्यम से या कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा तथा तालुका विधिक सेवा समिति साजा में उपस्थित हो कर निःशुल्क विधिक सहायता / सलाह प्राप्त किया जा सकता है के संबंध में जानकारी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

मेगा हेल्थ कैम्प, रिकॉर्ड मरीजों को हाई-टेक सेवाएँ उपलब्ध

रायपुर। बलौदाबाजार जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कटगी में भारत सरकार के स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला स्तरीय भव्य मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। शिविर में जिलेभर से आए नागरिकों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाओं का लाभ उठाया। कुल 1098 मरीजों ने पंजीयन कर जांच और उपचार कराया, जो अब तक का रिकॉर्ड है। इस शिविर की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर पहली बार अत्याधुनिक जांच सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। इसमें सोनोग्राफी, एक्स-रे, फंडस कैमरा और फिजियोथेरेपी सेवाएँ शामिल थीं। हड्डी रोग विशेषज्ञों द्वारा मरीजों का परीक्षण कर दो मरीजों को मौके पर ही प्लास्टर लगाया गया। ग्रामीण अंचल में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का मिलना लोगों के लिए बड़ी राहत रहा। शिविर में स्त्री रोग, मेडिसिन, सर्जरी, हड्डी रोग, ईएनटी, शिशु रोग, दंत रोग और फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों ने सेवाएँ दीं। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. करुणा यादव ने 64 सोनोग्राफी की, वहीं डॉ. वंदना भेले ने 153 गर्भवती महिलाओं की जांच की। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. कल्याण कुरुवंशी ने 62 मरीजों का परीक्षण कर 2 मरीजों को प्लास्टर लगाया। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अंजली ने 82 मरीजों की जांच की, जिनमें 14 मोतियाबिंद पाए गए और 30 मरीजों को चश्मा वितरित किया गया। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र माहेश्वरी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. के.के. टेभुरने और अन्य विशेषज्ञों ने भी सैकड़ों मरीजों का परीक्षण किया। इसके अलावा 712 मरीजों की बीपी जांच, 632 मरीजों की शुगर जांच और 36 मरीजों की ट्रूनेट टीबी टेस्ट जांच की गई। शिविर में आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा भी दी गई, जिसके तहत 27 कार्ड बनाए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अवस्थी ने कहा कि इस तरह के शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना है। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि अजगल्ले ने बताया कि स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि अब बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती सृष्टि शर्मा ने कहा कि आगे भी समय-समय पर ऐसे मेगा हेल्थ कैम्प आयोजित किए जाएंगे, ताकि मरीजों को बेहतर इलाज स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सके।

एक्टिवा चोरी करने वाला नाबालिग पकड़ाया, दो वाहन बरामद

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों से चोरी हुई दो एक्टिवा स्कूटी की गुत्थी को रायपुर पुलिस ने सुलझा लिया है। इन मामलों में संलिप्त विधि से संघर्षरत एक नाबालिग को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई दोनों दोपहिया वाहन बरामद की गई हैं। पहला मामला 11 सितंबर 2025 का है, जब लक्ष्मीनगर निवासी श्रीनिवास ठाके ने टिकरापारा थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी एक्टिवा (क्रमांक छत्त/04/ह्व8734) घर के बाहर से चोरी हो गई है। इसी तरह 14 सितंबर 2025 को मठपुरैना निवासी खेमचंद देवांगन ने भी अपनी स्कूटी (क्रमांक छत्त/04/ह्व5204) चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों ही मामलों में अज्ञात आरोपी के खिलाफधारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और टिकरापारा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मामले की जांच शुरू की। घटनास्थलों का निरीक्षण, प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने के बाद, पुलिस को एक विधि से संघर्षरत बालक के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। टीम द्वारा जब इस किशोर को हिरासत में लेकर सघन पूछताछ की गई, तो उसने दोनों ही वाहन चोरी की वारदातों में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। उसके कब्जे से दोनों एक्टिवा स्कूटी बरामद की गईं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 1.5 लाख बताई जा रही है। निरीक्षक परेश कुमार पांडेय (प्रभारी, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट) टीम सदस्य: गुरुदयाल सिंह, जसवंत सोनी, मुनीर रजा, हरजीत सिंह, भूपेंद्र मिश्रा, अजय चौधरी, एस.एन. बंजारे, सविता गौर, आनंद शर्मा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर खड़ा करें और संभव हो तो लॉक सिस्टम का उपयोग करें, ताकि इस तरह की वारदातों को रोका जा सके।

बेमेतरा के किसानों को एक्सपायरी बीज से नुकसान, मुआवजा राशि से असंतुष्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में खराब बीज से फसल बर्बाद होने के बाद किसान अब उचित मुआवजे की मांग को लेकर परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि उन्होंने फूलगोभी की खेती के लिए प्रति एकड़ 80 से 90 हजार रुपए तक का खर्च किया, लेकिन प्रशासन द्वारा उन्हें महज 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया गया है, जो उनके मुताबिक बेहद कम है और नुकसान की भरपाई नहीं करता। यह मामला बेमेतरा जिले के ग्राम कंदई, सेमरिया, पदुमसरा और आसपास के अन्य गांवों से जुड़ा है। करीब 20 से 25 किसानों ने एक स्थानीय खाद-बीज विक्रेता लीलाधर राठी की दुकान से बीज खरीदे थे, जो बाद में एक्सपायरी निकले। इन खराब बीजों के चलते लगभग 60 से 70 एकड़ में की गई फूलगोभी की खेती पूरी तरह बर्बाद हो गई। किसानों का आरोप है कि जांच अधिकारियों और बीज विक्रेता के बीच मिलीभगत हुई है। उनका कहना है कि नुकसान के बावजूद उन्हें कम मुआवजा देकर मामला रफा-दफा करने की कोशिश की जा रही है। किसानों ने कंपनी और विक्रेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, जांच अधिकारियों का कहना है कि कंपनी प्रबंधन और दुकानदार के साथ कई दौर की बैठकें की गई हैं, ताकि किसानों को उचित समाधान मिल सके। हालांकि, किसानों का साफ कहना है कि जब तक उन्हें पूरे नुकसान की भरपाई नहीं मिलती, वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

आदर्श विद्यालय में टीका और कलावा पर आपत्ति, बाल आयोग ने जताई कड़ी नाराजगी

रायपुर। राजधानी रायपुर के मोवा क्षेत्र स्थित एक आदर्श विद्यालय में छात्रों के माथे पर टीका लगाने और हाथ में कलावा (मौली) बांधने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों को ऐसा करने से रोकने पर बाल अधिकार आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने इस मामले को बच्चों की धार्मिक स्वतंत्रता के हनन के रूप में देखा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, जो किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। आयोग ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए विद्यालय प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 की धारा 13(ज) और 14 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्कूल को निर्देशित किया गया है।

नियम-कानून में ढील बर्दाश्त नहीं-आबकारी सचिव श्रीमती आर. शंगीता

हर हाल में रात बारह बजे के भीतर बार बंद करने के निर्देश दिए

- होटल एवं बार में कार्यरत कर्मचारियों का 10 दिन के भीतर पुलिस व्हेरीफिक्रेशन कराने के निर्देश दिए
- ड्रग्स, कोकीन आदि मादक पदार्थों की जानकारी पर पुलिस को सूचित करें

रायपुर/ संवाददाता

आबकारी आयुक्त सह सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी), श्रीमती आर. शंगीता ने बार एवं होटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों और संचालकों की बैठक लेकर आबकारी नियम/निर्देशों के विपरीत बार संचालन न करने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में नियम और कानून में ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सचिव श्रीमती शंगीता ने कहा कि हर हाल में रात बारह बजे के भीतर बार का संचालन बंद हो जाना चाहिए एवं रात्रि 11:30 के पश्चात् नये ग्राहकों को बार में प्रवेश नहीं दिया जाए। उन्होंने बैठक में 10 दिन के भीतर बार और होटल में कार्यरत कर्मचारियों का पुलिस व्हेरीफिक्रेशन कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने 21 वर्ष से कम उम्र वाले युवाओं को बार में प्रवेश नहीं देने की भी चेतावनी दी। इसी प्रकार पूर्व से ही नशे की हालत में पाये गये व्यक्तियों को बार में प्रवेश नहीं देने बाबत निर्देशित किया गया। सचिव,वाणिज्यिक कर (आबकारी) श्रीमती शंगीता ने कहा कि बार व होटल संचालक यह जान लेवें कि बार संचालन में पाए गए त्रुटियों के लिए कर्मचारियों की गलती बताकर नहीं बच सकते, जिनके नाम से विभाग द्वारा अनुज्ञप्ति जारी की गई है, उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की

जाएगी। उन्होंने बार संचालकों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी सूरत में वे राज्य में अवैध अथवा अपंजीकृत शराब का विक्रय बार व होटल में न करें अन्यथा सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसी प्रकार बार में बाहर से मदिरा लेकर आने वालों को प्रवेश नहीं दिया जाए। उन्होंने कहा कि नियम और कानून के हिसाब से सात्विक तरीके से बार व होटल का संचालन होना चाहिए। उन्होंने ड्रग्स, कोकीन, एम.डी. जैसे मादक पदार्थो के विक्रय से दूर रहने की चेतावनी दी। ऐसे मादक पदार्थों का बार परिसर में विक्रय/सेवन आदि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस/आबकारी विभाग को सूचित करने की सलाह दी। सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी) श्रीमती आर.शंगीता ने कहा कि नियम व शर्तों के साथ बार व होटल संचालन के दौरान यदि अनावश्यक रूप से कोई अधिकारी परेशान करता है तो ऐसे अधिकारियों पर नियमानुसार कार्यवाही करने के लिए विभाग तत्पर रहेगा। इस संबंध में बार संचालकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, यदि बार संचालकों को कोई भी परेशानी हो तो वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते है। इस संबंध में नियमानुसार हर संभव मदद किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकतानुसार बारों में नियमानुसार एफएल. 5, एफएल. 5 क प्रासंगिक अनुज्ञप्ति लेकर ही विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जावे, इस संबंध में पुलिस विभाग से अनिवार्यत: अनुशंसा लिया जाए, उन्होने कहा कि बार व होटलों में अनिवार्य रूप से सी.सी.टी.वी. स्थापित करने के निर्देश दिए। जिसमें एक माह का बैकअप एवं नाईट विजन कैमरा भी स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक दौरान सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी) श्रीमती आर. शंगीता ने बताया कि अब तक विभाग द्वारा प्राप्त शिकायत होने पर 15 दिवस के भीतर 10 बारों का निरीक्षण कर, शिकायत सही पाये जाने पर 7 बारों का लाइसेंस निलंबित किया गया है, एवं अनियमितता पाई गई बारों के विरुद्ध कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उन्होंने सभी बार संचालकों को आबकारी नियमों/निर्देशों व शर्तों के अनुसार बार का संचालन करने को कहा।

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को प्रदेश नेतृत्व पर भरोसा नहीं रहा-देवलाल ठाकुर.....

रायपुर। संवाददाता

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व का छत्तीसगढ़ के अपने नेताओं से भरोसा उठ चुका है, शायद इसी कारण से प्रदेश में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बनाने के लिए फैसले दिल्ली में लिए जा रहे हैं और इस काम के लिए आब्जर्वर भेजे जा रहे हैं। श्री ठाकुर ने कहा कि यहाँ के नेताओं की आपसी सिर-फुट्व्वल के कारण कांग्रेस के हाईकमान को इस प्रकार के निर्णय लेने पड़ रहे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि कहीं-न-कहीं कांग्रेस दो या कई धड़ों में बँटी हुई साफ नजर आ रही है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की कांग्रेस एक अलग तरीके से काम कर रही है तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की कांग्रेस अलग तरह से काम कर रही है। इधर, कांग्रेस हाईकमान को कभी भी आदिवासी नेतृत्व पर भरोसा नहीं रहा है, शायद इसीलिए बैज को फ्री हैंड नहीं दिया गया और दिल्ली से ऑब्जर्वर भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में एक तरफ कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल, सत्ता-सुखभोगी, चमचा कहकर अपमानित किया जा रहा है, तो दूसरी तरफबड़े नेताओं के अपमान का क्रम भी शुरू हो गया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी की मौजूदगी में एक पूर्व आदिवासी मंत्री को माइक छीनकर बोलने से रोककर जिस तरह से कांग्रेस के लोगों ने अपमानित किया, पूरा प्रदेश उसका साक्षी है। लेकिन

कांग्रेस ने कभी इस मुद्दे पर एक शब्द तक नहीं बोला। यहाँ तक कि अजजा वर्ग के पूर्व मंत्री को अपमानित करने वाले पदाधिकारी को नोटिस तक जारी करने या उनसे पूछताछ करने के लिए सबने मुँह में दही रखा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि इसी प्रकार दीपक बैज को बदलने के लिए कांग्रेस के ही पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे का स्वर ऊँचा उठ चुका है। उसके बाद जिला अध्यक्षों की बैठक में बैज और बघेल समर्थकों की तीखी तकरार भी प्रदेश ने देखी जिसमें नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने यह कहकर उस मामले में दखल दी कि कांग्रेस के नेता अपने चमचों को सम्भालकर रखें और ठीक से बोलने की नसीहत दें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस वक्त छत्तीसगढ़ में मुद्दों के गम्भीर संकट से जूझ रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार जिस प्रकार से सुशासन की अवधारणा के साथ काम कर रही है, कांग्रेस न केवल मुद्दाविहीन, अपितु नेतृत्व विहीन भी हो चुकी है और अपने ही कांग्रेस परिवार को बचाने के लिए जूझ रही है।

स्वच्छता और आत्मनिर्भरता की राह दिखा रही पंचायत कुसमी की महिलाएं.....

रायपुर/ संवाददाता

छोटे कस्बों से अक्सर बड़े सामाजिक बदलाव की शुरुआत होती है। बलरामपुर जिले का नगर पंचायत कुसमी आज इसी परिवर्तन का उदाहरण बन रहा है, जहाँ महिलाएं सरई (साल) के हरे पत्तों से दोना-पत्तल बनाकर न केवल आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं, बल्कि प्लास्टिक मुक्त समाज की दिशा में भी सराहनीय कदम उठा रही हैं। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि संकल्प और सामूहिक प्रयास से सीमित संसाधनों के बीच भी बड़ा बदलाव संभव है। पिछले समय में धार्मिक आयोजनों और भंडारों में प्लास्टिक से बने दोना-पत्तलों का उपयोग आम था। त्योहारों के दौरान बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता, जिससे पर्यावरण और स्वच्छता दोनों प्रभावित होते। लेकिन इस वर्ष कुसमी में आयोजित पूजा-उत्सवों में महिला समूहों द्वारा तैयार सरई पत्तों के दोना-पत्तलों का उपयोग किया गया। श्रद्धालुओं और आयोजकों ने इसे न केवल पर्यावरण के अनुकूल बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी शुद्ध और पवित्र माना। नगर के धार्मिक आयोजनों में अब प्लास्टिक पूरी तरह दर-किनार कर दिया गया है। कुसमी के चंचल, रोशनी और चांदनी महिला स्वयं सहायता समूह की 25 महिलाओं ने बिना किसी बड़े पूंजी निवेश के सरई पत्तों से दोना-पत्तल बनाने का कार्य प्रारंभ किया। बाजार और धार्मिक आयोजनों में इन उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। महिलाएं प्रतिदिन 200 से 300 रुपये तक की आमदनी अर्जित कर रही हैं। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है और महिलाएं घर की चारदीवारी से निकलकर समाज में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। महिलाओं को नगर प्रशासन का भी पूरा सहयोग प्राप्त है। नगर पंचायत कुसमी के मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री अरविंद विश्वकर्मा ने उन्हें वूमन ट्री योजना के अंतर्गत पौधारोपण कार्य के साथ-साथ दोना-पत्तल निर्माण की गतिविधियों को भी आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। वहीं, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री करूण डहरिया ने नगर की शांति समिति की बैठक में विशेष अपील की कि आगामी सभी त्योहारों और आयोजनों में केवल महिला समूहों द्वारा तैयार किए गए दोना-पत्तलों का ही उपयोग किया जाए। यह पहल केवल आर्थिक आजीविका तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। महिलाएं स्वयं को आत्मनिर्भर बना रही हैं, नगर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बना रही हैं तथा आने वाली पीढ़ी के लिए स्वस्थ वातावरण का निर्माण कर रही हैं।

अगले वर्ष में 12 लाख पुरुष तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिलेगी चरण पादुका....

- वन मंत्री कश्यप ने की समीक्षा, इको पर्यटन को बढ़ावा देने कार्ययोजना बनाने के निर्देश

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने इको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना बनाने को कहा है। समीक्षा बैठक लेकर उन्होंने कहा कि बिलासपुर संभाग में देखने, घूमने-फिरने और मनोरंजन के लिए कई आकर्षक केंद्र हैं। इन केन्द्रों तक आसान पहुंच मार्ग और कुछ बुनियादी सुविधाएं विकसित किए जाएं, तो और बड़ी संख्या में लोग पहुंच सकेंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ छत्तीसगढ़ की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी बढ़ेगी। बैठक में पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रबंध संचालक, लघु वनोपज सहकारी संघ अनिल साहू, पीसीसीएफ वन्य प्राणी अरुण पाण्डेय सहित अरण्य भवन के एपीसीसीएफ, सीसीएफ और वृत्त के सभी वन मंडल के डीएफओ उपस्थित थे। बैठक में विभागीय योजनाओं की वनमंडल वार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने तेंदूपत्ता पारिश्रमिक के बचे हुए भुगतान को दीपावली के पहले करने के निर्देश दिए। अगले वर्ष में लगभग 12 लाख पुरुष संग्राहकों को चरण पादुका का वितरण किया जाएगा। इसके लिए उनके पैर का नाप जोख कर जल्दी भिजवाएं ताकि खरीदी की प्रक्रिया मुख्यालय स्तर से शुरू की जा सके। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने बंद पड़ी चरणपादुका योजना को फिर से शुरू की है। इस साल लगभग 12 लाख महिला संग्राहकों को चरण पादुका वितरित किया गया है। कई कार्यों पर जताई खुशी बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि पर खुशी जाहिर की।

खाली जमीन बताकर की फर्जी रजिस्ट्री, 74 लाख की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में जमीन से जुड़ी एक बड़ी धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। पुलिस ने एक व्यक्ति को 74 लाख रुपये से अधिक की ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी अश्वनी कुमार डडसेना पर एक निर्माणाधीन संपत्ति को खाली ज़मीन बताकर फर्ज़ी रजिस्ट्री कराने और फर्ज़ी चेक देने का आरोप है। पूरा मामला तब सामने आया जब प्रार्थी दीनदयाल जेठूमल ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि अश्वनी डडसेना ने एक जमीन की सौदेबाज़ी में यह दावा किया कि जमीन पर कोई निर्माण नहीं है। इस झूठे दावे के आधार पर उसने जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली।

मिल रहा है सरकार द्वारा डबल अनुदान

सोलर पैनल लगाकर धनेश ने पर्यावरण संरक्षण की ओर बढ़ाया कदम

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना प्रदेश के सुदूर ग्रामीण परिवारों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है। इस योजना आज अनेक परिवारों के लिए नई रोशनी और उम्मीद लेकर आई है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम रवान निवासी धनेश कुमार वैष्णव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लिया है। इससे न केवल उनके घर को मुफ्त बिजली मिल रही है बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का भी अवसर मिल रहा है। धनेश ने बताया कि समाचार पत्र में विज्ञापन देखने के बाद बिजली विभाग से जानकारी प्राप्त की और अपने घर की छत पर 3 किलोवॉट का सोलर सिस्टम स्थापित करवाया। इस योजना के तहत उन्हें शासन से एक जाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी भी प्राप्त हुई है। उसने बताया कि 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता वाले प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर केंद्र से 78 हजार और राज्य से 30 हजार रुपये की अनुदान राशि मिलती है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता पीएम सूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट इन वेब पोर्टल अथवा पीएम सूर्यघर एप्प में पंजीयन करा सकते हैं। इच्छुक उपभोक्ता को 6 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण हेतु बैंकों को जनसमर्थन पोर्टल द्वारा ऑनलाईन करना होता है। आवेदन के बाद सत्यापन पश्चात बैंक ऋण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। श्री वैष्णव ने बताया कि यह योजना उनके लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हो रही है। इससे न केवल उनके घर को मुफ्त बिजली मिल रही है, बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का भी अवसर मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शासन की बहुत ही अच्छी पहल है जिससे आमजन को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। साथ ही उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे भी इस योजना का लाभ अवश्य लें और सौर ऊर्जा के माध्यम से स्वच्छ एवं हरित भविष्य का निर्माण करें।

सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जगमगाया मेश्राम का घर

मुख्मयंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में शासकीय योजनाओं पर अमल पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। इसी क्रम में दुर्ग जिले के ग्राम दामोदा निवासी श्री गरिबा राम मेश्राम ने अपने घर में 5 किलोवाट का सोलर पैनल लगाकर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाया है। श्री मेश्राम बताते हैं कि उनके घर में एसी और अन्य उपकरणों के कारण हर महीने हज़ार रुपए से अधिक का बिजली बिल आता था। खपत कम करने की कोशिशों के बावजूद ज्यादा फर्क नहीं पड़ा और लगातार बढ़ता बिल उनके लिए चिंता का कारण बन गया था। उन्हें समाचार पत्र में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने तुरंत योजना की जानकारी ली और मार्च माह में 5 किलोवाट का पैनल अपने घर में लगवाया। इसकी कुल लागत 2.80 लाख रुपए आई, जिसमें से 78 हज़ार रुपए की राशि सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में सीधे उनके खाते में भेजी गई। श्री मेश्राम बताते हैं कि सोलर पैनल लगने के बाद अब तक उन्हें केवल 190 रुपए का ही बिल चुकाना पड़ा है, वहीं 1400 यूनिट बिजली सरकार को बेचकर अतिरिक्त आय भी अर्जित की है। अब उन्हें हर महीने आने वाले भारी-भरकम बिजली बिल से मुक्ति मिल गई है और कमाई का नया ज़रिया भी शुरू हो गया है। श्री मेश्राम ने योजना का लाभ उठाने के लिए अन्य ग्रामीणों को भी प्रेरित किया है और प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार उपभोक्ताओं को 1 किलोवाट प्रणाली के लिए 30 हजार रुपये, 2 किलोवाट प्रणाली के लिए 60 हजार रुपये तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक प्रणाली के लिए 78 हजार रुपये की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान कर रही है।

संपादकीय

लद्दाख में क्या सरकार की अनदेखी से आग भड़की

किसी भी विरोध प्रदर्शन में अगर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें सामने रखी जाएं, तो उसके अंजाम तक पहुंचने और सर्वमान्य हल निकलने की उम्मीद की जा सकती है। विडंबना यह है कि कई बार मुद्दे सुलगते रहते हैं और सरकार को वक्त पर उसका समाधान निकालने की जरूरत महसूस नहीं होती। वहीं लंबे वक्त तक टालमटोल या कोताही आखिरकार असंतोष की स्थिति पैदा करती है। फिर जब प्रतिक्रिया का स्वरूप अनियंत्रित और अराजक होता है, तब कई बार उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। लेह में बुधवार को हुई हिंसा इन्हीं स्थितियों का नतीजा लगती है। गौरतलब है कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान के अनुच्छेद 244 के तहत छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में लोग आंदोलन पर उतरे हुए थे। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी दो हफ्ते से भूख हड़ताल पर थे। मगर बुधवार को यह प्रदर्शन हिंसक हो उठा और लोगों ने भाजपा कार्यालय को भी आग के हवाले कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मियों के साथ हुई झड़पों के दौरान कई की जान चली गई और काफी लोग घायल हो गए। सवाल है कि अपनी मांगों के साथ कई दिनों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे लोगों के सामने आखिर कैसी स्थिति पैदा हुई कि उन्होंने हिंसक रास्ता अख्तियार कर लिया। पिछले कई दिनों से वहां जैसे शांतिपूर्ण हालात थे, उसमें अराजकता को अचानक उपजी किसी स्थिति का नतीजा मानना थोड़ा मुश्किल लगता है। खासतौर पर जब पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने का सवाल नया नहीं हो। इसके अलावा, लेह और करगिल के लिए अलग-अलग लोकसभा सीटें तय करने और रोजगार में आरक्षण की मांग भी अहम मुद्दे हैं। दरअसल, अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद केंद्र सरकार की ओर यह आश्वासन दिया गया था कि लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाएगा। इस बात को करीब पांच वर्ष हो गए, लेकिन अब भी इस पर स्थानीय समूहों- लद्दाख एपेक्स बाडी और करगिल लोकतांत्रिक गठबंधन के साथ सिर्फ बातचीत ही चल रही है। आखिर केंद्र सरकार की घोषणाओं के समांतर लद्दाख के लोगों की स्पष्ट मांगों के बावजूद सबसे संवेदनशील और जरूरी मुद्दों पर बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से हल निकालने को लेकर सहमति बनाने को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई? सच यह है कि जब प्रमुख मांगों को पूरा करने या समस्या का सर्वमान्य हल निकालने को लेकर कोताही बरती जाती है और टालमटोल किया जाता है, तो उससे जुड़े अन्य मुद्दे भी अपना असर डालने लगते हैं।

टाइगर ऑफ स्काई की गौरवपूर्ण विदाई

मिग-21 अपनी उड़ान क्षमता, तेजी से आकाश में उंचाई पर जाने, ध्वनी से भी तेज गति से उड़ाने भरने और निशाने पर निशाना साधनें में सफल रहा है। दुश्मन देश तो मिग के नाम से दहशत खाने लगे थे। मिग-21 छोटे रनवे, कठिन हालातों में भी उड़ान भरने में सक्षम रहा है। अचानक हमले के हालातों में भी यह भरोसेमंद रहा है। सूई की नोक जैसे इस विमान में तापमान की समस्या के बावजूद इस विमान की उड़ान भरने में वायुसेना फाइटर गौरव महसूस करते रहे हैं। 2021 के बालाकोट के दौरान भी इसने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मिग ने अपने पराक्रम को दिखाया पर मिग के निर्माता सोवियत रुस से ही मिग की विदाई सबसे पहले आरंभ हुई। रशिया ने 1990 से ही मिग की विदाई आरंभ कर दी। चीन, पौलेण्ड, बुल्गारिया, रोमानिया, चेकस्लोवाकिया, क्रोएशिया, हंगरी आदि इसे विदाई दे चुके हैं। हालांकि सीरिया, उत्तर कोरिया औद अफ्रिकी देशों में मिग सेना के हिस्से बने हुए हैं। भारत में मिग का लंबे समय का कार्यकाल रहा है।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।

चण्डीगढ़ के एयरबेस से मिग-21 की आखरी उड़ान के साथ मिग की विदाई केवल एक

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।

यह दूसरी बात है कि कुछ दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण हुई तो कुछ अन्य कारणों से।

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।

अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की आपूर्ति के कारण भारत को भी अपनी वायुसेना को वेल इक्विप्ड करने की आवश्यकता महसूस हुई और अमेरिका सहित अन्य देषों के फाइटर विमानों के विकल्प होने के बावजूद भारत ने सोवियत रुस के मिग फाइटर विमान खरीदने को पाथमिकता दी। हालांकि 1965 के युद्ध में मिग का सीमित योगदान रहा पर 1971 के युद्ध की तो भाषा ही मिग फाइटर ने बदल कर रख दी।

सुपरसोनिक फाइटर की विदाई नहीं है अपितु भारतीय वायु सेना के फाइटर बेडे से मिग की गौरवशाली अतीत की विदाई है। अपनी गति, शक्ति और मारक क्षमता के कारण नाम से ही दुश्मनों में दहसत बनाने वाले मिग-21 अपनी यात्रा के 62 वर्ष पूरे कर विदा हो रहा है। 1962 के युद्ध के कटु अनुभवों के बाद भारत ने अन्य विकल्प होते हुए भी सोवियत रुस के मिग-21 को प्राथमिकता दी। 1963 में चण्डीगढ़ में ही मिग ने भारतीय वायु सेना में प्रवेश किया और 26 सितंबर, 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सेनाप्रमुखों के बीच औपचारिक विदाई ली है। स्क्वाड्रनलीडर प्रिया सिंह ने अंतिम उड़ान भर कर मिग-21 को शानदार-यादगार विदाई दी। मिग-21 का 1965, 1971, करगिल, बालाकोट और ऑपरेशन सिन्दूर तक गौरवशाली इतिहास रहा है। हालांकि मिग-21 के उड़ान के दौरान हुई दुर्घटनाओं ने इसे उड़ता ताबूत ही नहीं विडो मेकर तक कहा जाने लगा। दरअसल पाकिस्तान से युद्ध के दौरान अमेरिका के एफ-16 युद्धक विमान को गिरा कर सारी दुनिया को इसने आश्चर्य में ड़ाल दिया था। 1971 में ढ़ाका में गर्वनर हाउस पर बमबारी कर अपनी मारका क्षमता का लोहा मनवा चुका है। भारतीय वायु सेना में 800 से अधिक मिग का बेड़ा रहा है। इनमें से करीब 400 मिग के दुर्घटनाग्रस्त होने और करीब 200 पायलट और 50 नागरिकों की मौत के कारण गति, शक्ति और रफ्तार के बावजूद मिग-21 को उड़ता ताबूत कहा जाने लगा।

क्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि भारतीय वायु सेना के इतिहास में मिग की सेवाओं को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मिग को भारत और रुस के बीच संबंधों से भी जोड़ के देखा जाता रहा है। खासबात यह कि उड़ता ताबूत कहलाने के बावजूद भारतीय वायु सेना में मिग ने 60 वर्ष से भी अधिक समय तक अपने सामर्थ्य से देश के जरुरत के समय अपेक्षाओं पर खरा उतरा। युद्ध या यौद्धिक गतिविधियों के दौरान मिग गैम चैंजर सिद्ध हुआ है। यही कारण है कि मिग को रिटायरमेंट की गौरवपूर्ण विदाई दी गई।

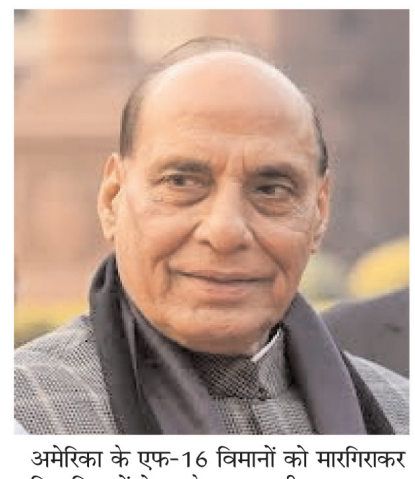

अमेरिका के एफ-16 विमानों को मारगिराकर मिग विमानों ने ना केवल अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया अपितु दुनिया के देशों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया। हालिया ऑपरेशन सिन्दुर में भी मिग विमानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मिग-21 अपनी उड़ान क्षमता, तेजी से आकाश में उंचाई पर जाने, ध्वनी से भी तेज गति से उड़ाने भरने और निशाने पर निशाना साधनें में सफल रहा है। दुश्मन देश तो मिग के नाम से दहशत खाने लगे थे। मिग-21 छोटे रनवे, कठिन हालातों में भी उड़ान भरने में सक्षम रहा है। अचानक हमले के हालातों में भी यह भरोसेमंद रहा है। सूई की नोक जैसे इस विमान में तापमान की समस्या के बावजूद इस विमान की उड़ान भरने में वायुसेना फाइटर गौरव महसूस करते रहे हैं। 2021 के बालाकोट के दौरान भी इसने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मिग ने अपने पराक्रम को दिखाया पर मिग के निर्माता सोवियत रुस से ही मिग की विदाई सबसे पहले आरंभ हुई। रशिया ने 1990 से ही मिग की विदाई आरंभ कर दी। चीन, पौलेण्ड, बुल्गारिया, रोमानिया, चेकस्लोवाकिया, क्रोएशिया, हंगरी आदि इसे विदाई दे चुके हैं। हालांकि सीरिया, उत्तर कोरिया औद अफ्रिकी देशों में मिग सेना के हिस्से बने हुए हैं। भारत में मिग का लंबे समय का कार्यकाल रहा है।

फ्लाइंग काफिन जैसे नाम से बदनामी के बावजूद अपग्रेडेड मिग का भारतीय सेना में उपयोग होता रहा। निशाने पर लक्ष्य को साधने में सक्षम होने के बावजूद जिस तरह से इसके क्रेस होने की गति रही है उससे यह बदनामी का भी प्रमुख कारण रहा है। और यही कारण है कि मिग-21 की गौरवपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अंततोगत्वा 62 साल की लंबी यात्रा के बाद इसे सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है। देखा जाएं तो मिग ने भारतीय सेना में अपनी गौरवपूर्ण सेवाएं दी और भारतीय सैनिकों ने युद्ध के दौरान इसका जिस तरह से उपयोग किया वह भारतीय सेना के गौरव को बढ़ाने वाला रहा। यही कारण है कि मिग को गौरवपूर्ण समारोह में विदाई दी गई। जहां से इसकी शुरुआत हुई वहीं से इसको विदाई दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि भारतीय वायु सेना के इतिहास में मिग की सेवाओं को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मिग को भारत और रुस के बीच संबंधों से भी जोड़ के देखा जाता रहा है। खासबात यह कि उड़ता ताबूत कहलाने के बावजूद भारतीय वायु सेना में मिग ने 60 वर्ष से भी अधिक समय तक अपने सामर्थ्य से देश के जरुरत के समय अपेक्षाओं पर खरा उतरा। युद्ध या यौद्धिक गतिविधियों के दौरान मिग गैम चैंजर सिद्ध हुआ है। यही कारण है कि मिग को रिटायरमेंट की गौरवपूर्ण विदाई दी गई। अब भारतीय वायु सेना में स्वदेशी फाइटर तेजस मिग का स्थान लेगा। सुखाई, राफेल और तेजस आदि की उपस्थिति से आज भारत की वायुसेना दुनिया की सबसे सक्षम और ताकतवर सेनाओं में से एक है। भले ही भारतीय वायु सेना के बेडे से मिग की विदाई हो गई है पर 1971 का युद्ध, करगिल, बालकोट, ऑपरेशन सिन्दुर और इसी तरह के अभियानों की चर्चा होगी तो मिग की गौरवपूर्ण सेवाओं को सम्मान के साथ याद किया जाएगा। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वादाखिलाफी के खिलाफ फूटा गुस्सा

(लता भारती)

लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देने की मांग को लेकर 1980 के दशक के उत्तरार्ध में एक बहुत बड़ा जन-आंदोलन शुरू हुआ। अगस्त 2019 में संसद ने एक पुनर्गठन अधिनियम पारित कर 31 अक्तूबर, 2019 से लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग एक केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठित कर दिया। साथ ही केंद्र सरकार ने वहां के लोगों को आगे बढ़ने के सब्जबाग भी दिखाए। इससे वहां के लोगों की आकांक्षाएं बलवती हो गईं कि वे जल्द से जल्द पूर्ण राज्य बनेंगे।इन्हीं आकांक्षाओं को हकीकत में बदलने के लिए लद्दाख के लोग पिछले पांच साल से पूर्ण राज्य का दर्जा पाने का आंदोलन चला रहे हैं। उनकी मांग है कि कारगिल और लेह को अलग-अलग लोकसभा सीट बनाया जाए, सरकारी नौकरियों में स्थानीय लोगों की भर्ती हो। आंदोलनकारी लद्दाख में छठी अनुसूची लागू करने की भी मांग कर रहे हैं। इसी के साथ लद्दाख में विधानसभा के गठन की भी मांग हो रही है। वहां के लोग सरकार से ठोस आश्वासन चाहते हैं। इसीलिए, वहां के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अध्यक्षता में 35

इससे वहां के लोगों की आकांक्षाएं बलवती हो गईं कि वे जल्द से जल्द पूर्ण राज्य बनेंगे।इन्हीं आकांक्षाओं को हकीकत में बदलने के लिए लद्दाख के लोग पिछले पांच साल से पूर्ण राज्य का दर्जा पाने का आंदोलन चला रहे हैं। उनकी मांग है कि कारगिल और लेह को अलग-अलग लोकसभा सीट बनाया जाए, सरकारी नौकरियों में स्थानीय लोगों की भर्ती हो।

दिनों का अनशन फिर शुरू किया गया था। इस अनशन को देखते हुए केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों (जिनमें लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के सदस्य शामिल हैं।) के बीच 6 अक्तूबर को बातचीत का एक नया दौर निर्धारित किया गया था। इससे पहले 26 सितंबर को बातचीत होनी थी। केंद्र ने इस बातचीत का दौर एकतरफा घोषित कर दिया। उधर, अनशन चल ही रहा था कि इसमें शामिल दो लोगों की तबियत अचानक बिगड़ गई। युवा पहले से ही केंद्र की इस एकतरफा बातचीत की घोषणा से खार खाए बैठे थे। दो अनशनकारियों की सेहत बिगड़ने से वे और भड़क गए। इन दोनों कारणों ने आग में घी का काम किया और 24 सितंबर को अचानक वहां हिंसा भड़क उठी। इस हिंसा में चार लोग मारे गए।इसमें भाजपा का यह आरोप निराधार है कि कांग्रेस भारत में नेपाल जैसे हालात पैदा करना चाहती है। लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक का दावा है कि लेह लद्दाख में कांग्रेस में इतना दम ही नहीं है कि वह यह सब करवा पाए। वांगचुक ने हिंसा की निंदा की है, लेकिन साथ-साथ उन्होंने लोगों के गुस्से को जायज ठहराया है। असल में लेह की हिंसा केंद्र सरकार की वादाखिलाफी का नतीजा है।

मिग-21 विमान को मिल गया विराम

मिग-21 को एक अन्य भूमिका के लिए भी याद रखा जाएगा। दरअसल, हमारे बेड़े में 874 मिग-21 विमान हैं, जिनमें से 660 हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के नासिक और कोरापुट केंद्र में तैयार किए गए हैं। इसके कारण वहां हजारों एयरोनॉटिकल इंजीनियरों को रोजगार मिला। इसके कल-पुर्जों के छोटे-छोटे उद्योग विकसित हुए। कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय विमानन क्षेत्र को इसने नई उड़ान दी है। भारत में इस विमान की कई श्रेणियां विकसित की गईं, जिनमें सबसे आधुनिक 'बाइसन' है। विश्व के 60 से ज्यादा देश इसका इस्तेमाल कर चुके हैं, जिनमें सिर्फ भारत अब तक इसकी सेवाएं ले रहा था। आंकड़े बताते हैं, रूस ने 11,000 से अधिक मिग-21 विमान बनाए, जिस कारण विश्व में सबसे अधिक उत्पादित होने वाले विमान का खिताब इसे ही हासिल है।

(बी के मुरली,एयर वाइस मार्शल (रिटायर्ड)

भारतीय वायु सेना का मिग-21 लड़ाकू विमान आज (26 सितंबर) अपनी आखिरी उड़ान भरने जा रहा है। अब यह हमारे सुरक्षा बेड़े का नहीं, संग्रहालय का हिस्सा होगा। मेरे लिए यह भावुक कर देने वाला पल है, क्योंकि वर्ष 1975 में जब मैं भारतीय वायु सेना में शामिल हुआ था, तब मुझे सबसे पहले मिग-21 स्क्वाड्रन में ही भेजा गया था। 'स्क्वाड्रन' से जो परिचित नहीं हैं, उन्हें बता दूं कि एक स्क्वाड्रन 18 विमानों से तैयार होता है, जिनमें से 16 फाइटर और दो अभ्यास कराने वाले विमान होते हैं।

मुझे वह दिन आज भी याद है। एक अलग ही उत्साह था हममें। यह देश का पहला सुपरसोनिक विमान था, इसलिए इसकी मांग काफी ज्यादा थी। 'इंटरसेप्शन' में इसका इस्तेमाल होता था, यानी हवाई मार्ग से कोई हमारी सीमा में घुसने की कोशिश करता, तो उसे मार गिराने की महती जिम्मेदारी इसके कंधों पर थी। मगर इस विमान के आकर्षण की एक बड़ी वजह इसकी गति थी। यह 300 किलोमीटर से भी अधिक की रफ्तार से रनवे पर उतरता, जो उस समय सर्वाधिक मानी जाती थी। इसी कारण उन पायलटों को ही इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाती, जिनमें कौशल होता था। यह धारणा आज भी कायम है कि जिसने मिग-21 उड़ा लिए, वह देश का बेहतरीन पायलट है।

इसे रूस से लाया गया था। मार्च-अप्रैल, 1963 में सबसे पहले चंडीगढ़ में इसे उतारा गया। दिलचस्प है कि आज इसकी आधिकारिक विदाई भी वहीं से हो रही है। हमारे सुरक्षा बेड़े का यह कितना अहम हिस्सा था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 1965 से लेकर 1999 के कारगिल युद्ध और हाल-फिलहाल ऑपरेशन सिंदूर तक यह हमारी सुरक्षा पंक्ति में सबसे आगे रहा। बालाकोट हमले के बाद जब दुश्मन देश का एफ-16 विमान हमारी सीमा में घुस आया था, तो विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने उसे मिग-21 बाइसन से ही मार गिराया था।

मिग-21 को एक अन्य भूमिका के लिए भी याद रखा जाएगा। दरअसल, हमारे बेड़े में 874 मिग-21 विमान हैं, जिनमें से 660 हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के नासिक और कोरापुट केंद्र में तैयार किए गए हैं। इसके कारण वहां हजारों एयरोनॉटिकल इंजीनियरों को रोजगार मिला। इसके कल-पुर्जों के छोटे-छोटे उद्योग विकसित हुए। कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय विमानन क्षेत्र को इसने नई उड़ान दी है।

भारत में इस विमान की कई श्रेणियां विकसित की गईं, जिनमें सबसे आधुनिक 'बाइसन' है। विश्व के 60 से ज्यादा देश इसका इस्तेमाल कर चुके हैं, जिनमें सिर्फ भारत अब तक इसकी सेवाएं ले रहा था। आंकड़े बताते हैं, रूस ने 11,000 से अधिक मिग-21 विमान बनाए, जिस कारण विश्व में सबसे अधिक उत्पादित होने वाले विमान का खिताब इसे ही हासिल है।

हालांकि, 1963 में इसके आगमन के साथ ही दुर्घटनाएं भी शुरू हो गई थीं। उसी साल हमने दो विमान गंवाए थे, जिसके बाद हरेक वर्ष एक या दो जहाज हादसों के शिकार होते गए। अब तक 400 से अधिक मिग-21 विमान दुर्घटना के शिकार हुए हैं, जिनमें हमने 170 होनहार पायलट खो दिए। इन हादसों में 40 आम नागरिकों की भी जान गई है। इन सबके कारण इसको 'उड़ता ताबूत' कहा जाने लगा था। मैंने अपने दो करीबी मित्रों को दो अलग-अलग मिग-21 हादसों में खो दिया। उनकी यादें मुझे आज भी परेशान करती हैं। वे दोनों दुर्घटनाएं एक ही साल में हुई थीं। तब हम तेजपुर में फ्लाइंग ऑफिसर थे। अगल-बगल की मेस में रहा करते, सो हर शाम हमारा मिलना होता। रोज क्रिकेट खेला करते। मगर हमने उन्हें खो दिया। ब्रह्मपुत्र में उनके विमानों का मलबा गिरा था और मुझे ही उनके पार्थिव शरीर को लाने भेजा गया।

बाद में, जांच से पता चला कि तकनीकी दिक्कतों की वजह से ये हादसे हो रहे हैं। वर्ष 1982 से लेकर 2006 तक चार कमेटियां हादसों की जांच के लिए बनाई गईं और सभी ने इंजन में गड़बड़ी की बात कहते हुए इसको हटाने की सिफारिश की थी, पर उन सलाहों पर अमल नहीं किया जा सका।

यह स्थिति तब थी, जब खुद रूस का कहना था कि इस विमान की 'टोटल टेक्निकल लाइफ' 40 साल है। इसका अर्थ है कि हमें दो दशक पहले ही इसे रिटायर कर देना चाहिए था, लेकिन हमने इसके सुधार पर जोर दिया और अब तक इसका इस्तेमाल करते रहे। हां, जब इसके हादसे बढ़ गए, तो उड़ान घंटों को 150 से घटाकर 125 घंटा प्रतिमाह जरूर कर दिया था। सुखद यह रहा कि साल 2006 में सरकार ने एचएएल का साथ मिलकर 40 तेजस बनाने का फैसला किया, लेकिन दो दशक बाद 38 विमानों की ही आपूर्ति हो सकी है। जबकि, इस विमान को मिग-21 का विकल्प माना ही नहीं गया है। अब 83 एलसीए मार्क 1ए विमान का ऑर्डर दिया गया है, जिसमें से पांच की आपूर्ति जून 2026 तक होने की उम्मीद है। अपनी सुरक्षा के लिए हमें 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है, लेकिन अभी 31 स्क्वाड्रन ही हमारे पास रहे हैं। मिग-21 की विदाई के बाद अब दो स्क्वाड्रन की और कमी होने जा रही है। इस अंतर को हमें जल्द पाटना होगा, खासकर दुश्मन देशों के मिजाज को देखते हुए।

मिग-21 शृंखला का सबसे ज्यादा स्थिर व शानदार विमान 'बिस' माना गया था। बढ़ती जरूरतों को देखते हुए 1980 के दशक में हमने इसको उन्नत बनाने का फैसला किया और रूस से जब यह लौटा, तो इसका नामकरण 'बाइसन' किया गया। इसमें 'आर 27' और 'आर 73' मिसाइल प्रणालियां लगाई गई थीं। हालांकि, तब भी इसके इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया, जबकि इसकी मूल समस्या यही थी। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि एयर कमोडोर सुरेंद्र सिंह त्यागी के नाम सबसे अधिक समय तक मिग-21 उड़ाने का विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने करीब 6,000 बार यह विमान उड़ाया है और लगभग 4,500 घंटे इसके कॉकपिट में बिताए हैं। पिछले दिनों उनको रूस बुलाकर सम्मानित भी किया गया था।

बहरहाल, तमाम कमियों के बावजूद मिग-21 ऐसा विमान रहा, जिसने हजारों बेहतरीन पायलट गढ़े। हमें आज भी इस पर गर्व है।

बस्तर ओलंपिक के लिए अधिक से अधिक पंजीयन कराने, के दिए गए निर्देश

दंतेवाड़ा। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा बैठक का आयोजन कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में कलेक्टर ने सर्वप्रथम प्रस्तावित बस्तर ओलंपिक आयोजन हेतु संबंधित विभागों से अधिक संख्या में पंजीयन कराने का निर्देश देते हुए कहा कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जायेगा। प्रतियोगिता का आयोजन विकासखंड स्तर से लेकर जिला और संभाग स्तर तक होगा। इसमें अन्य प्रतिभागियों के साथ-साथ नक्सल हिंसा में दिव्यांग हुए प्रतिभागियों और आत्मसमर्पित युवाओं के लिए भी विशेष प्रतियोगिताएं संभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी। इस आयोजन का उददेश्य केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा युवाओं को मुख्यधारा से अधिक से अधिक जोड़ना है। इसके लिए संबंधित विभाग अधिक से अधिक प्रतिभागियों का पंजीयन करके सक्रिय सहभागिता निभाएं। इसके साथ ही उन्होंने बैठक में अवगत कराया कि जिले में 02 अक्टूबर से विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जायेगी। इन सभाओं में राजस्व विभाग अमले द्वारा एग्रीटेक पोर्टल के तहत पंजीकृत ग्रामीणों की सूची का पठन भी कराया जाएगा। साथ ही इन विशेष ग्राम सभाओं में ग्राम विलेज एक्शन प्लान का ब्यौरा प्रस्तुत होगा। अतः इस संबंध में कलेक्टर द्वारा जनपद पंचायतों को व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु कहा गया। इसके अलावा कलेक्टर ने नगरीय निकाय क्षेत्रों में केन्द्र सरकार पोषित पीएम स्वनिधि योजना हेतु शहरी क्षेत्रों के स्ट्रीट वेंडरों, फुटपाथों में फैरी एवं रेहड़ी लगाने वाले विक्रेताओं को अधिक से अधिक पंजीयन एवं काउंसलिंग करने का निर्देश देते हुए कहा कि इसके लिए शहरी क्षेत्रों के स्ट्रीट वेडरों, की बैठक या कैंप का आयोजन कर उन्हें स्वनिधि योजना के लाभ लेने की प्रक्रिया से अवगत कराए ताकि इसकी अधिक से अधिक लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में इसके साथ ही 1 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की आवश्यक तैयारियां, सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत पेंशन हितग्राहियों के भौतिक सत्यापन, आदि कर्मयोगी अभियान के तहत कार्ययोजना प्रस्तुत करने, नवीन चिकित्सा महाविद्यालय दर्तवाड़ा के भवन निर्माण कार्य की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति, जाति प्रमाण पात्र बनाने के अद्यतन, स्टेटर्स, नालंदा परिसर निर्माण कार्य हेतु भूमि चिन्हांकित कराने, ग्राम पाहुरनार में प्रस्तावित 33/11 के ही उपकेन्द्र के स्थापना हेतु भूमि आवंटन, अग्रिषमन प्रदेश तो असंगठित कर्मकारों के पंजीयन के संबंध में भी कलेक्टर द्वारा नवीन दिशा निर्देश जारी किए गए। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री के प्रवास कार्यक्रम की तैयारियों का किया निरीक्षण

जगदलपुर। उप मुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री बस्तर जिला विजय शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगामी 04 अक्टूबर को बस्तर प्रवास कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण कर अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारी एवं व्यवस्था समयपूर्व सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सिरहासार भवन एवं कार्यक्रम स्थल लालबाग में तैयारी का जायजा लिया और अधिकारियों की बैठक में प्रवास कार्यक्रम की प्रत्येक तैयारी एवं व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान सांसद बस्तर महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव, महापौर संजय पाण्डे तथा अन्य जनप्रतिनिधियों सहित कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी, कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन आज

कोण्डागांव। राज्य शासन के निर्देश पर छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 6 में ग्राम सभा का प्रत्येक तीन माह में कम से कम एक सम्मेलन आयोजित करने का प्रावधान है। छत्तीसगढ़ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा का आयोजन 23 जनवरी, 14 अप्रैल, 20 अगस्त एवं 02 अक्टूबर के अतिरिक्त प्रतिवर्ष माह जून एवं नवम्बर में प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा का आयोजन के निर्देश हैं। इसी तारतम्य में 02 अक्टूबर को ग्रामसभा का आयोजन जिले के सभी ग्राम पंचायतों में किया जाएगा और विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने सभी एसडीएम एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ग्राम सभा आयोजन के लिए स्थानीय स्तर पर तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जनपद पंचायत वार प्रत्येक ग्रामों में ग्राम सभा आयोजित करने के लिए समय सारणी निर्धारित करने एवं स्थानीय अधिकारी-कर्मचारियों को विशेष जिम्मेदारी देने के निर्देश दिये है। 02 अक्टूबर को आयोजित होने वाले ग्रामसभा में ग्रामसभा की पूर्व बैठकों में पारित संकल्पों के क्रियान्वयन संबंधी पालन प्रतिवेदन, पंचायतों के विगत तिमाही के आय-व्यय की समीक्षा की जाएगी एवं पिछले वर्ष के विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत कार्य के नाम, प्राप्त राशि स्वीकृत राशि, व्यय राशि एवं कार्य की अद्यतन स्थिति का वाचन किया जाएगा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत ग्राम पंचायतों में ग्रामीण परिवारों द्वारा रोजगार की मांग तथा उपलब्ध कराये गए रोजगार की स्थिति की समीक्षा की जाएगा। सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण एवं हितग्राहियों का सत्यापन के संबंध में कार्यवाही की जाएगी। जरूरतमंद व्यक्तियों के लिये पंचायतों द्वारा वितरित खाद्यान्न एवं उसके लाभान्वितों के नामों का वाचन किया जाएगा। जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित प्रकरणों के लंबित, निराकरण एवं वितरित प्रमाण पत्रों की जानकारी दी जाएगी। मौसमी बीमारियों से बचाव एवं निवारण की जानकारी एवं उससे निपटने के लिए लोगों के जागरूक किया जाएगा। ग्राम सभा में विशेष रूप से पीएम सूर्यघर, पीएम कुसुम आदि योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही स्वच्छता शपथ, ओडीएफ प्लस मॉडल ग्रामों का प्रस्ताव, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट सहित सामुदायिक सिंगल यूज प्लास्टिक पर जागरूकता सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के निर्देशानुसार जिला स्तर पर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोण्डागांव डॉ आर के चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सभी विकास खंडों के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के आश्रित ग्राम पारे में अभियान की उद्देश्यों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विकास खंड कोंडागांव के आयुष्मान आरोग्य मंदिर संबलपुर में इस अभियान के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने एवं कानूनी अधिकार के संबंध में भी जागरूक किया गया। सीएचओ निर्मला पोयाम ने जानकारी देते हुए बताया की मासिक धर्म के समय स्वच्छता, स्थानीय पोषक आहार का सेवन, महिलाओं की नियमित जांच, उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों की एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत सभी बीमारियों की जांच करने की जानकारी, प्रधान मंत्री मातृत्व अभियान में सेवा प्रदान करने एवं एनीमिया सिकल सेल बी पी शुगर टीबी की जांच के साथ महिलाओं में होने वाले स्तन कैंसर गर्भाशय कैंसर की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही 18 वर्ष से 49 वर्ष तक की दंपतियों को परिवार कल्याण कार्यक्रम के साधन एवं बच्चों में अंतर रखने के साधन की जानकारी दिया गया। इस अभियान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव के कर्मचारी अधिकारी करुणा ध्रुव एवं पूर्णिमा भंडारी द्वारा उपस्थित महिलाओं को कानूनी अधिकार की जानकारी देते हुए बताया गया महिलाएं अज्ञानता और जानकारी के अभाव भय वश एवं समाज की बदनामी के कारण अपने ऊपर हो रहे अत्याचार की जानकारी किसी से भी साझा नहीं करती है।

कोण्डागांव में विश्व रेबीज दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोण्डागांव। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोण्डागांव के सभाकक्ष में विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जीएनएम ट्रेनिंग सेंटर के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को रेबीज संक्रमण, उसके कारण और टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि यदि कोई जानवर असामान्य रूप से काटता है तो वह रेबीज संक्रमण का कारण हो सकता है। काटे गए घाव को तुरंत बहते पानी से धोना चाहिए और उसे खुला रखना चाहिए। समय पर एंटी रेबीज टीकाकरण बेहद आवश्यक है क्योंकि बिना टीका लगाए संक्रमण के लक्षण 30 दिन से 6 साल के भीतर प्रकट हो सकते हैं, जिनमें पानी, हवा और लाइट से डर जैसे गंभीर लक्षण शामिल हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि पालतू जानवरों को नियमित रूप से एंटी रेबीज का टीका लगवाना चाहिए और यदि पहले से टीका लगाया हुआ हो तो काटे जाने पर डॉक्टर के निर्देशानुसार टीका लेना आवश्यक है। साथ ही सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में एंटी रेबीज टीके निःशुल्क उपलब्ध हैं और ये सभी वर्गों के लिए पूरी तरह सुरक्षित हैं।

केंद्रीय कारागार जगदलपुर में महिला बंदियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तहत स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान में शहरी स्वास्थ्य टीम ने जगदलपुर केंद्रीय कारागार का भ्रमण किया। टीम ने कारागार के महिला कोष्ठ में बंद 52 महिला बंदियों का सघन स्वास्थ्य परीक्षण कर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया। यह शिविर महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के उददेश्य से आयोजित किया गया था, ताकि जेल में बंद महिलाओं को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ और परामर्श मिल सके। स्वास्थ्य टीम ने बंदियों के शारीरिक स्वास्थ्य की सामान्य जाँच की, आवश्यक चिकित्सा सलाह और बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के नियमित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन आगे भी जारी रहेगा ताकि महिला बंदियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिल सके और वे स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार की संकल्पना को साकार करने में सहयोग दे सकें।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर धरमपुरा में 400 वृद्धजनों का सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित

जगदलपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष हरिस एस के निर्देशन में धरमपुरा स्थित आस्था निकुंज में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समाज कल्याण विभाग और रेडक्रॉस सोसायटी ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें लगभग 400 वृद्धजनों को शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। साथ ही, उनके स्वास्थ्य की जांच के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किया गया। समाज कल्याण विभाग की उप संचालक सुचिता लकड़ा ने कहा कि यह आयोजन वृद्धजनों के प्रति समाज की जिम्मेदारी को रेखांकित करता है और उनके अनुभवों को सम्मान देने का एक प्रयास है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक ने स्वास्थ्य परीक्षण शिविर की महत्ता पर जोर देते हुए बताया कि वृद्धजनों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूक किया गया और आवश्यक सलाह प्रदान की गई। समारोह में पार्षद बसंती समरथ, पूनम सिन्हा, रेडक्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष एलेक्जैंडर चेरियन सहित समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग और रेडक्रॉस सोसायटी के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने वृद्धजनों के साथ संवाद किया और उनके जीवन के अनुभवों को सुनकर उन्हें प्रोत्साहित किया। वृद्धजनों ने इस अवसर पर अपने अनुभव साझा किए और समाज से अधिक सहयोग और सम्मान की अपेक्षा व्यक्त की। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का वादा किया।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025 : 25 पंचायतें उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

मुंगेली। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्षगांठ के अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत मुंगेली में उत्कृष्ट पंचायत सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय एवं जनपद पंचायत मुंगेली अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनपद पंचायत मुंगेली की कुल 25 पंचायतों को विभिन्न योजनाओं में उल्लेखनीय कार्य करने पर स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें 05 पंचायतों को आवास योजना, 05 पंचायतों को मनरेगा अंतर्गत मोर गांव-मोर पानी अभियान, 05 पंचायतों को स्वच्छ भारत मिशन, 05 पंचायतों को पंचायत अभिलेख संधारण और 05 पंचायतों को बिहान योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र, सक्रिय महिला, लखपति दीदी और स्वच्छग्राही सहित कुल 125 लोगों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर राज्य के विकास की यात्रा पर भी चर्चा हुई।

समूह की दीदियों के लिए एक बड़ी सफलता

मां दन्तेश्वरी मंदिर प्रांगण में स्व-सहायता समूह दीदियों द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल

कोण्डागांव। जिले के विकासखण्ड फरसगांव से 18 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत बड़ेडोंगर में स्थित मां दन्तेश्वरी मंदिर के प्रांगण में स्व-सहायता समूह की दीदियों ने शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर टेंट लगाकर पूजा सामग्री एवं धार्मिक सामग्रियों की बिक्री कर एक नई आर्थिक सफलता हासिल की है। इस गतिविधि के तहत तीन स्व-सहायता समूहों में मां पार्वती समूह की बिमला पुजारी, भैरव स्व-सहायता समूह की आयशा बानो एवं महादेव स्व-सहायता समूह की रसीता यादव ने मंदिर प्रांगण में पूजा सामग्री और धार्मिक सामानों की दुकान लगाई। नवरात्रि के आठ दिनों के दौरान इन दीदियों ने लगभग 48,000 से 55,000 रुपये की सामग्रियों की बिक्री कर लगभग 17,000 से 19,000 रुपये का लाभ अर्जित किया। यह आर्थिक लाभ समूह की दीदियों के लिए एक बड़ी सफलता साबित हुआ है। स्व-सहायता समूहों की यह पहल न केवल महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का भी एक उदाहरण है। समूह की दीदियों ने अपने प्रयासों से न केवल परिवारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए हैं। इस प्रकार की गतिविधियाँ महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके सामाजिक सम्मान को बढ़ाने में भी सहायक होती हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के जिला मिशन प्रबंधक विनय सिंह ने समूह की दीदियों को इसी प्रकार आजीविका गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया। बड़ेडोंगर क्लस्टर की पीआरपी सागर सेटी ने भी दीदियों के उत्साह और समर्पण की प्रशंसा की।

पति-पत्नी के मध्य पैदा हुये मतभेदों को दूर कर लोक अदालत के माध्यम से री-मिलन

मुंगेली। आयोजित नेशनल लोक अदालत में परिवार न्यायालय मुंगेली के समक्ष रखे गये प्रकरण में पति-पत्नि के मध्य री-यूनियन करवाकर प्रकरण का निपटारा किया गया है। प्रकरण की आवेदिका एवं अनावेदक पति-पत्नी है। आवेदिका का विवाह, अनावेदक के साथ अग्नि के समक्ष सात भांवर पड़कर आज से लगभग 12 वर्ष पूर्व संपन्न हुआ था। विवाह उपरांत, अनावेदक के व्यवहार में धीरे-धीरे परिवर्तन होने लगा तथा उसके द्वारा छोटी-छोटी बातों पर अनावेदिका के साथ वाद-विवाद कर, मारपीट करना प्रारंभकर दिया गया, तब अनावेदक के व्यवहार में परिवर्तन होने की उम्मीद में अपने ससुराल में ही कष्टमय जीवन व्यतीत करते हुये निवास करती रही। अनावेदक द्वारा आवेदिका को अत्यधिक तंग कर ससुराल से निकाल दिये जाने के कारण आवेदिका अपने मायके में निवासरत् थी। अनावेदक द्वारा आवेदिका के भरण-पोषण में उपेक्षा किये जाने के कारण आवेदिका द्वारा अनावेदक के विरूद्ध भरण-पोषण का यह मामला प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण में परिवार न्यायालय मुंगेली के पीठासीन अधिकारी द्वारा पति एवं पत्नी के मध्य की गई काउंसलिंग के माध्यम से पति एवं पत्नी को उनके मध्य उत्पन्न विवादों को भुलाकर, पति-पत्नि के रूप में साथ रहने के संबंध में समझाईश दी गई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आये एवं उभयपक्षों की सहमति से प्रकरण का नेशनल लोक अदालत 13.09.2025 में निराकरण करते हुए, पति-पत्नि के मध्य री-यूनियन स्थापित की गई।

संक्षिप्त समाचार

मदनपुर मंडल का पथ संचलन एवं विजयादशमी उत्सव संपन्न

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला बिलासपुर द्वारा जिले के विभिन्न 57 मंडलों व 71 बस्ती में शताब्दी वर्ष के निमित्त पथ संचलन व विजयादशमी उत्सव कार्यक्रम 25 सितंबर से 15 अक्टूबर तक आयोजित है इसी के निमित्त मदनपुर मंडल में एक भव्य पथ संचलन एवं विजयादशमी उत्सव का आयोजन घोष वादन के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में 110 स्वयंसेवकों ने संघ के गडवेश में पथ संचलन में भाग लिया, संचलन ग्राम मदनपुर के बजरंगबली प्रभात फेरी चौक से प्रारंभ होकर मध्य चौक बारापाड़ा होते हुए ग्राम सिंघरी बजरंग चौक में संपन्न हुआ। पथ संचलन के पश्चात सिंघरी गांव के बजरंग चौक में विजयादशमी उत्सव मनाया गया। पथ संचलन में मदनपुर, सिंघरी, पेंडरवा, लछनपुर , गोंदइया के स्वयंसेवक मौजूद रहे। उत्सव कार्यक्रम में ग्राम के मातृशक्ति, स्कूल के विद्यार्थी और मंडल के ग्रामजन भारी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में सुदर्शन गिरी महाराज विंध्यवासिनी लछनपुर ने समाज को अधिक सशक्त बनाने के लिए स्वयंसेवकों की भूमिका पर जोर दिया। मुख्य वक्ता के रूप में संतोष यादव सह कार्यवाह बिलासपुर विभाग ने स्वदेशी और पर्यावरण सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण पंच परिवर्तन विषयों पर अपने विचार रखे। पथ संचलन और विजयादशमी उत्सव के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और संगठन की भावना को बढ़ावा दिया गया। स्वयंसेवकों ने समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई और समाज को सशक्त बनाने के लिए काम करने का संकल्प लिया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम ने संगठन की एकता और शक्ति को प्रदर्शित किया। यह आयोजन न केवल मदनपुर मंडल के लिए बल्कि पूरे जिले के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था। कार्यक्रम के आयोजन में मदनपुर मंडल के पलक और जिले के सह कार्यवाह डॉ. विनोद निर्मलकर के प्रयासों से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन ने एक बार फिर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिबद्धता और समाज सेवा के प्रति उसकी निष्ठा को प्रदर्शित किया। हमें विश्वास है कि आने वाले समय में भी संघ के कार्यकर्ता समाज के लिए इसी तरह काम करते रहेंगे और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देंगे।

सम्मान समारोह और शपथ के साथ मनाया गया स्वच्छ भारत दिवस पर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर आज जनपद पंचायत पेंड्रा के सामुदायिक भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित गया। कार्यक्रम में स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, विशेषकर एक प्रेरणादायक नाटक का मंचन किया गया, जिसमें स्वच्छता के प्रति समाज की भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात महिलाओं द्वारा एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसमें खुले में शौच से मुक्ति, कचरा प्रबंधन तथा सामुदायिक सहभागिता जैसे विषयों को रोचक तरीके से दर्शाया गया। दर्शकों ने इस प्रस्तुति को सराहा और महिलाओं की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छाग्रही दीदियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। इन दीदियों ने अपने क्षेत्र में स्वच्छता के लिए निरंतर प्रयास किए हैं तथा समुदाय में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिला प्रशासन द्वारा इन्हें प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें सभी ने न केवल अपने घर, बल्कि अपने आसपास के पर्यावरण को भी स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे, जनपद पंचायत पेंड्रा अध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर अजीत श्याम।

कृषि महाविद्यालय में मनाई गई गांधी एवं शास्त्री जी की जयंती

गांधी सिर्फएक नाम नहीं,अपने आप में एक पूरी विचारधारा है-डॉ. चौरे

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर इकाई की पहल

बिलासपुर। आज हम यहां सिर्फ एक व्यक्ति की जयंती मनाने के लिए एकत्र नहीं हुए हैं। हर साल राष्ट्र 2 अक्टूबर को सिर्फएक शख्सियत को ही याद नहीं करता है। मोहनदास करमचंद गांधी एक शख्सियत से कहीं ज्यादा हैं। गांधी सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि अपने आप में एक पूरी विचारधारा हैं। ऐसी विचारधारा जो पूरी दुनिया में शांति स्थापित करने की ताकत रखती है। उक्त उद्गार डॉ. एन.के. चौरे, अधिष्ठाता, बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर (छ.ग.) ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं स्वतंत्र भारत के दूसरे प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर छात्र-छात्राओं, प्राध्यापक एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने आगे कहा कि गांधी जी ने देश को आजादी दिलाने के साथ-साथ समाज में अहिंसा, सत्य और समानता का मार्ग दिखाया। समाज के निम्न तबके को सम्मानजनक जीवन जीने का हक दिलाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। यह दिन हमें गांधीजी के विचारों और उनके संघर्षों को याद करने का अवसर देता है। आज ही के दिन लाल बहादुर शास्त्री जी का भी जन्म हुआ था। उनके जय जवान, जय किसान के नारे ने राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दी। इस अवसर पर हम उनके योगदान को भी नमन करते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन देते हुए वैज्ञानिक (पादप रोग) एवं एनसीसी प्रभारी डॉ. विनोद कुमार निर्मलकर ने कहा कि गांधी जी का जीवन सादा जीवन-उच्च विचार का प्रेरणादायी उदाहरण है। आज के युवा वर्ग के लिए आवश्यक है कि वे

गांधीजी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. गीत शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, बिलासपुर ने कहा कि गांधी जी सत्य, अहिंसा और सादगी में विश्वास करते थे। उनका मानना था कि किसी भी समस्या का समाधान हिंसा नहीं, बल्कि शांति और संवाद से संभव है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. एस.के. वर्मा, मुख्य वैज्ञानिक, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर ने गांधी जी के स्वदेशी विचारों और लाल बहादुर शास्त्री जी के जय जवान, जय किसान नारे का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भी ये विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं। किसानों और जवानों का सम्मान ही देश की मजबूती का आधार है। इसी क्रम में डॉ. एस.एल. स्वामी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, लोरमी-मुंगेली ने कहा कि जब 156 वर्ष पूर्व पोरबंदर में गांधी जी का जन्म हुआ था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि वह बालक एक दिन महात्मा कहलाएगा। पूरी दुनिया आज भी उन्हें बापू कहकर सम्मान देती है। बापू की सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों को आत्मसात करें और अपने जीवन में लागू करें। इस अवसर पर बालक एवं बालिका स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर छात्रावासों एवं खेल परिसर की साफ-सफाई की। स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया तथा स्वच्छता की शपथ भी ली। छात्र-छात्राओं ने भाषण प्रस्तुत कर गांधी एवं शास्त्री जी के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक (वानिकी) एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अजीत विलियम्स ने किया। कार्यक्रम की सफलता में प्रमेंद्र कुमार केसरी, अजय टेगर, अर्चना केरकेट्टा, गजानंद पटेल, अवनीत कुमार, सूरज दास मानिकपुरी, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समस्त स्वयंसेवकों एवं महाविद्यालय परिवार के सभी कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

सद्भावना दिवस पर स्काउट गाइड का सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन.....

रामानुजनगर - भारत स्काउट एवं गाइड, विकासखण्ड रामानुजनगर के तत्वाधान में गांधी जयंती पर सद्भावना दिवस विकासखण्ड स्तरीय सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न धर्मों की प्रार्थनाओं के साथ आपसी भाईचारे, सौहार्द और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव जितेंद्र कुमार साहू, अध्यक्ष शंकर यादव, जिला मुख्य आयुक्त संदीप अग्रवाल, आयुक्त अजय कुमार मिश्रा के संरक्षण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत स्काउट गाइड जिला सचिव उमेश गुर्जर एवं जिला प्रशिक्षण आयुक्त गोवर्धन सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समय में समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य स्काउट-गाइड जैसे संगठन ही कर सकते हैं। सर्व धर्म प्रार्थना का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में समानता, सहिष्णुता और मानवता के प्रति संवेदनशीलता का भाव विकसित करना है। इस अवसर पर विकासखण्ड सचिव विजेन्द्र साहू, स्काउट मास्टर आनंद साहू, नंदकुमार सिंह, जाकिर हुसैन, योगेश साहू, सुकलाल यदु, गाइड कैप्टन धनसरी राजवाड़े तथा गुड्डी राही सहित स्काउट-गाइड मौजूद रहे। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों की प्रार्थनाओं का वाचन बच्चों द्वारा किया गया। हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई धर्म की प्रार्थनाएँ गूँजीं तो वातावरण में सद्भाव और भाईचारे का संदेश प्रसारित हुआ। बच्चों ने एकता पर गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। स्वच्छता कार्यक्रम व एक पेड़ माँ के नाम पर पौध रोपण किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन विकासखण्ड सचिव विजेन्द्र साहू ने करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में शांति और आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

प्रतापपुर विकासखंड में विलेज एक्शन प्लान पर हुई बैठक.....

सूरजपुर संवाददाता। आज जनपद पंचायत प्रतापपुर के सभा कक्ष में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले की अध्यक्षता में आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रतापपुर विकासखंड के चयनित सभी 110 ग्रामों के सचिवों एवं सरपंचों के साथ विलेज एक्शन प्लान पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्ययोजना तैयार करते समय शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, स्वच्छता, पोषण, रोजगार, महिला एवं बाल कल्याण सहित अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा के मंच से ग्रामीणजनों की समस्याओं तथा आवश्यकताओं को दर्ज कर उन्हें

विलेज एक्शन प्लान का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक सचिव सुनिश्चित करें कि उनकी ग्राम पंचायत में योजनाओं का समन्वित क्रियान्वयन हो तथा ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर समग्र विकास को गति देना है, जिसके लिए सभी विभागों का सहयोग तथा ग्रामवासियों की सहभागिता अनिवार्य है। इसके अलावा इस दौरान कलेक्टर ने जिले के सभी ग्राम सभाओं में प्रस्तावों के अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे के डाटा का प्रकाशन कर ग्राम सभा में पढ़कर सुनाने, एग्रीस्टेक पंजीयन की जानकारी उपलब्ध कराने एवं गिरदावरी से संबंधित जानकारी का वाचन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शस्त्र पूजन के साथ विजयादशमी उत्सव जिला पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने की हर्ष फायरिंग

गौरेला-पेंड्रा- मरवाही। विजयादशमी के पावन अवसर पर गौरेला पेंड्रा मरवाही रक्षित केंद्र में परंपरागत रूप से शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुरजन राम भगत और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री ओम चंदेल ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर शस्त्रों की आराधना की। पूजा के उपरांत पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने परंपरा अनुसार हर्ष फायरिंग की। इस मौके पर रक्षित केंद्र सहित जिले का पुलिस बल मौजूद रहा।पूजा-अर्चना एवं हवन के बाद सभी शस्त्रों को विधिपूर्वक शस्त्रागार में पुन: सुरक्षित रख दिया गया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि वीरता, साहस और अनुशासन के प्रति पुलिस बल की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। पूरे आयोजन के दौरान रक्षित केंद्र के अधिकारी-कर्मचारियों ने उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। शस्त्र पूजन की यह परंपरा पुलिस बल को ऊर्जा, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देती है।

उमेश्वर पुर में गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान व लालबहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दी गई.....

सूरजपुर संवाददाता। जिले के प्रेमनगर ब्लॉक के उमेश्वरपुर में गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता क कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दी गई ये कार्यक्रम ग्राम उमेश्वरपुर ग्राम सचिवालयों में हुए।और गाँधी चौक जिला पंचायत सदस्य नयन सिरदार ने छात्र-छात्राओं को और ग्राम वाशियों दोनों महान नेताओं के जीवन और विचारों के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने भी गांधी जी की जीवनी पर अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षकों ने बताया कि महात्मा गांधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। उनका जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उन्हें 'बापू' के नाम से भी जाना जाता है। गांधी जी ने अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश को आजादी दिलाई थी। उनके सम्मान में, पूरे विश्व में 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। साथ साथ ग्राम मे चल रहे स्वच्छता अभियान। के तहत गांधी चौक का साफसफाई

कर। ग्रामीण को संदेश दिया। इस अवसर पर। इस अवसर पर क्षेत्र की बीडीसी। अमीन भाई। ग्राम के सरपंच सावित्री देवी। ग्राम के रोजगार सहायक दीपक सिंह।सुभाष कुमार साहू, सिंह राम सिंह, विश्राम सिंह,भाजपा महामंत्री विजय सिरदार, शिवनंदन।,बैजानती सिंह, अमृता सिंह, मुगलेश्वरी, रिखिन, समारी, हेमवाती, अनीता, गोरेलाल मुनिया बाई, संतोष चैन साय, चेतन राम सहित सारी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर सूरजपुर जिले में विशेष ग्रामसभा का आयोजन

- ग्राम विकास में ग्राम सभा की है मुख्य भूमिका : कलेक्टर श्री जयवर्धन
- आदि कर्मयोगी अभियान के तहत मुख्यमंत्री के संदेश का किया गया वाचन

सूरजपुर /संवाददाता/ महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर जिले में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में आज ग्राम पंचायत तिवरागुड़ी व केशवपुर, जनपद पंचायत रामानुजनगर में आयोजित विशेष ग्रामसभा में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सभी ग्रामीणों को गांधी जयंती की शुभकामनाएं दीं एवं ग्राम विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। उन्होंने सभी ग्राम सभाओं को ग्राम विकास में मुख्य भूमिका निभाने तथा तय एजेंडे के पालन के लिए कहा। साथ ही प्राथमिकता के साथ एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन करने के लिए भी कहा ताकि किसान अपना धान बेच सके। इन विशेष ग्रामसभाओं में ग्राम विकास, पारदर्शिता और सामाजिक जागरूकता के लिए महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान नशामुक्त एवं बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने के लिए शपथ भी दिलाई गई। इसके अलावा ग्रामसभा में आदि कर्मयोगी योजना के तहत जनजातीय बाहुल्य ग्रामों के लिए तैयार किए गए विलेज एक्शन प्लान को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली। इसी दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आदि कर्मयोगी अभियान के सम्बन्ध में संदेश का भी वाचन किया गया। ग्रामसभा में विशेष रूप से पंचायतों के विगत तिमाही के आय-व्यय की समीक्षा, स्वीकृत कार्यों की अद्यतन स्थिति, मनरेगा अंतर्गत रोजगार की उपलब्धता, सामाजिक सहायता योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण एवं हितग्राहियों का सत्यापन, खाद्यान्न वितरण, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन की स्थिति, मौसमी बीमारियों की रोकथाम तथा स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की गई। सभा में सड़कों पर मवेशियों के कारण हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आवारा पशुओं के प्रबंधन पर भी विचार किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे अपने मवेशियों को सड़कों पर खुले में नहीं छोड़ेंगे तथा पंचायत अधिनियम 1993 के प्रावधानों के तहत उल्लंघन पर दंड की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) 1.0 के परिणाम साझा कर पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने पर जोर दिया गया। एच.आई.वी. एवं एड्स से बचाव, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान, राष्ट्रीय पोषण माह 2025, धान पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं एग्रीस्टैक पोर्टल से संबंधित विषयों पर भी चर्चा हुई। इसी प्रकार ग्राम पंचायत केशवपुर, रामानुजनगर में भी सचिव द्वारा एजेंडा का वाचन कर ग्रामीणों के साथ विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर विमर्श किया गया। इस दौरान ग्राम सभा के सदस्य, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, जनपद सीईओ, तहसीलदार सहित विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बड़े फायदे है.....

- बिजली बिल में होगी भारी बचत, पर्यावरण को मिलेगा संबल

गौरेला पेंड्रा मरवाही। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं को बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा दाता बनने का अवसर प्रदान करता है। इस योजना से न केवल उपभोक्ताओं के बिजली बिल में भारी बचत होगी, बल्कि सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत 1 से 3 किलोवाट तक रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कर हर महीने 100 से 360 यूनिट तक बिजली उत्पादन किया जा सकता है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 1 किलोवाट सोलर प्लांट लगाने पर केंद्र सरकार की तरफ से 30 हजार तो राज्य सरकार की तरफ से 15 हजार की सब्सिडी मिलती है। इसी तरह 2 किलोवाट सोलर प्लांट लगाने पर केंद्र सरकार की तरफ से 60 हजार तो राज्य सरकार की तरफ से 30 हजार की सब्सिडी और 3 किलोवाट सोलर प्लांट लगाने पर केंद्र सरकार की तरफ से 78 हजार तो राज्य सरकार की तरफ से 30 हजार की सब्सिडी मिलती है। इस योजना के अंतर्गत सोलर प्लांट लगाने वाले उपभोक्ताओं को बैंक द्वारा 6 प्रतिशत ब्याज दर पर आसान किस्तों में 10 वर्ष के लिए ऋण की सुविधा दी गई है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता, पीएम सूर्य घर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल वेबसाइट, मोर बिजली ऐप से आवेदन कर सकते हैं।

संकष्टी चतुर्थी पर इसलिए पूजे जाते हैं मंगलमूर्ति गणेश

संकष्टी चतुर्थी के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित कथा गणेश जी पर ही केंद्रित है। कहते हैं एक बार देवता अपने कष्ट निवारण के लिए भगवान शंकर के पास गए। उस समय भगवान शिव के पास उनके ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय और गणेश भी बैठे हुए थे।

● संकष्टी चतुर्थी के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित कथा गणेश जी पर ही केंद्रित है। कहते हैं एक बार देवता अपने कष्ट निवारण के लिए भगवान शंकर के पास गए। उस समय भगवान शिव के पास उनके ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय और गणेश भी बैठे हुए थे।

● शिवजी ने दोनों बालकों से पूछा- 'तुम में से कौन ऐसा वीर है जो देवताओं का कष्ट निवारण करेगा।' तब कार्तिकेय ने स्वयं को देवताओं का सेनापति प्रमाणित करते हुए देव रक्षा योग्य तथा सर्वोच्च देव पद मिलने का अधिकारी सिद्ध किया।

● यह बात सुनकर शिवजी ने गणेश की इच्छा जाननी चाही। तब गणेशजी ने विनम्र भाव से कहा- 'पिताजी, आपकी आज्ञा हो तो मैं बिना सेनापति बने ही सब संकट दूर कर सकता हूं।'

● यह सुनकर हंसते हुए शिव ने दोनों को पृथ्वी की परिक्रमा करने को कहा तथा यह शर्त रखी- 'जो सबसे पहले पूरी पृथ्वी की परिक्रमा करके आ जाएगा वही वीर तथा सर्वश्रेष्ठ देवता घोषित किया जाएगा।'

● कार्तिकेय बडे गर्व से अपने वाहन मोर पर चढकर पृथ्वी की परिक्रमा करने चल दिए। गणेशजी ने सोचा कि चूहे के बल पर तो पूरी पृथ्वी का चक्कर लगाना अत्यंत कठिन है इसलिए उन्होंने एक युक्ति सोची।

● गणेश जी 7 बार अपने माता-पिता की परिक्रमा करके बैठ गए। रास्ते में कार्तिकेय को पूरे पृथ्वी मण्डल में उनके आगे चूहे के पैरों चिह्न दिखाई दिए। परिक्रमा करके लौटने पर निर्णय की बारी आई।

● कार्तिकेय जी गणेश पर नाराज हो गए और स्वयं को पूरे भूमण्डल का एकमात्र पर्यटक बताया। इस पर गणेश ने शिव से कहा- 'माता-पिता में ही समस्त तीर्थ निहित हैं इसलिए मैंने आपकी 7 बार परिक्रमा की हैं।'

● गणेश की बात सुनकर समस्त देवताओं तथा कार्तिकेय ने सिर झुका लिया। तब शंकरजी ने उन्मुक्त कण्ठ से गणेश की प्रशंसा की तथा आशीर्वाद दिया- 'त्रिलोक में सर्वप्रथम तुम्हारी पूजा होगी।' तब गणेशजी ने पिता की आज्ञानुसार जाकर देवताओं का संकट दूर किया।

● जो स्त्री-पुरुष इस संकष्टी चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश जी का पूजन तथा चंद्र अर्ध्यदान देगा। उसका त्रिविधि ताप (दैहिक, दैविक, भौतिक) दूर होगा और ऐश्वर्य, पुत्र, सौभाग्य को प्राप्त करेगा। यह सुनकर देवगण हर्षातिरेक में प्रणाम कर अंतर्धान हो गए।

रविवार को सूर्यदेव को इस तरह प्रसन्न करें

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर,
दिवाकर नमस्तुभ्यं, प्रभाकर नमोस्तुते।
सप्ताश्वरथमारूढं प्रचंडं कश्यपात्मजम,
श्वेतपद्मधरं देव तं सूर्यप्रणाम्यहम्म।

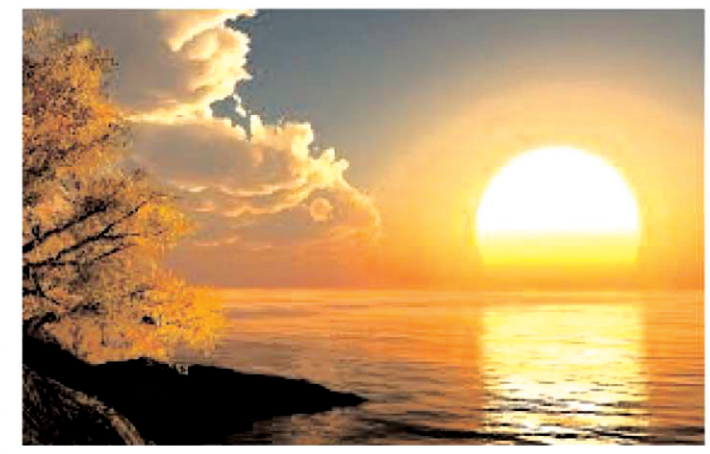

सूर्य को सभी ग्रहों का अधिपति माना जाता है। रविवार के दिन सूर्य की आराधना करने से इंसान के सभी कष्ट दूर हो जाते है। हिंदू धर्म के अनुसार रविवार को सूर्य का वार माना गया है। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति को धन-धान्य और राजयोग की प्राप्ति होती है। ऐसे में रविवार को सूर्यदेव की आराधना करने से निम्न फलों की प्राप्ति होती है इस दिन सूर्य के निमित्त दान-पुण्य करने से बडे से बडा अशुभ योग भी टल जाता है।

अगर किसी की कुंडली में गरीबी, निर्धनता का योग हो तो उस व्यक्ति को सूर्य की आराधना करनी चाहिए। रविवार को सूर्य की विशेष आराधना करने से भाग्य में राजयोग का निर्माण होता है। अगर किसी ने आपके व्यवसाय में टोटका कर दिया है तो उसे दूर करने के लिए रविवार के दिन दोपहर में पांच नींबू काटकर व्यापारिक प्रतिष्ठान में रख दें। इसके साथ एक मुट्ठी काली मिर्च और एक मुट्ठी पीली सरसों रख दें। अगले दिन सुबह दुकान खोलने के बाद इन सभी सामानों को उठाकर किसी सूनसान स्थान पर ले जाकर रख आएं। सभी ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय यदि केवल सूर्य की ही आराधना की जाए और नियमित रूप से सूर्य देव को जल चढाया जाए तो आपका भाग्योदय होने से कोई नहीं रोक सकता है।

अगर आप नियमित रूप से सूर्यदेव को जल अर्पित नहीं कर पाते हैं तो रविवार के दिन सूर्यदेव को जल चढा सकते हैं। रविवार का दिन सूर्य देव को बहुत प्रिय है और रविवार को सूर्यवार भी माना जाता है। ऐसे में अगर आप नियमित रूप से रविवार के दिन सूर्यदेव को जल अर्पित करते हैं तो इसका उतना ही फल मिलता है जितना की प्रत्येक दिन जल चढाने से मिलता है। वहीं जब सूर्य पूर्व दिशा में हो तभी जल चढाना चाहिए क्योंकि पूर्व दिशा को सूर्यदेव के उदय का मार्ग कहा जाता है जो स्वयं शक्ति और जीवन के प्रतीक माने जाते हैं।

जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर चल रहा हो या अन्य किसी ग्रह की प्रतिकूलता चल रही हो अथवा कोई सरकारी कामकाज अटका हुआ हो, कार्यस्थल पर अधिकारियों से अनबन चल रही हो अथवा व्यापार सही नहीं चल रहा हो। उन सभी को प्रतिदिन सूर्य को जल चढाने से तुरंत लाभ मिलता है। इसके अतिरिक्त जिन्हें जेल जाने या नौकरी छूटने का डर हो, उन्हें भी सूर्याराधना तुरंत लाभ देती है। सूर्य को जल चढाने के लिए सदैव तांबे के लोटे का ही इस्तेमाल करना चाहिए। तांबा भी सूर्य की ही धातु है। जल में चावल, रोली, फूल पत्तियां आदि डाल लेने चाहिए। इसके बाद जल चढाते समय गायत्री मंत्र का जाप करें। गायत्री मंत्र के अतिरिक्त आप भगवान सूर्य के 12 नामों का भी जाप कर सकते हैं ये 12 नाम निम्न प्रकार हैं- सूर्य को अर्ध्य देते समय पानी की जो धारा जमीन पर गिर रही है, उस धारा से सूर्य को देखना चाहिए, इससे आंखों की रोशनी तेज होती है। अर्ध्य देने के बाद जमीन पर गिरे पानी से चरणामृत का पान करें तथा अपने मस्तक पर लगाएं। साथ ही आप सूर्यदेव को अपनी मनोकामना बताएं तथा उनसे इच्छापूर्ति का वरदान देने की प्रार्थना करें, कुछ ही समय में आपकी इच्छा अवश्य पूर्ण होगी।

घर में पूजास्थल बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखें

1. अलग पूजा कक्ष बनवाएं- घर में यदि स्थान की कमी न हो, तो अलग से पूजा कक्ष का निर्माण करें। पूजा कक्ष के द्वार का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। दम्पत्तियों के कक्ष में पूजा कक्ष नहीं बनाना चाहिए, ऐसा माना जाता है कि अगर आप शारीरिक सम्बंधों को घर के बाकी लोगों के समक्ष नहीं बनाते हैं तो ईश्वर के सामने भी ऐसा न करें। यही कारण है कि पूजा स्थलों में भी परिसर के अंदर सराय नहीं होते हैं।

2. रसोई के अंदर या ठीक विपरीत मंदिर न रखें:पूजा स्थल को कई लोग रसोई में बना लेते हैं, ऐसा न करें। न ही रसोई के ठीक विपरीत पूजा स्थल बनाएं। कई घरों में किचेन में ही डस्टबीन और बाकी का कूडा रखा रहने दिया जाता है, ऐसे में भगवान रखना सही नहीं होता है। साथ ही खाना बनाने के दौरान धुआं भी मंदिर तक पहुँचेगा।

3. मंदिर की स्थिति सबसे ज्यादा मायने रखती है-अगर आप दो मंजिला इमारत पर रहते हैं तो अपने पूजा कक्ष को इस प्रकार बनाएं कि ऊपरी मंजिल में उसके ऊपर बाथरूम या लैट्रिन न हों। मंदिर एक पवित्र स्थान होता है, इसका पूरा ख्याल रखें।

4. मंदिर में कभी ताला न लगाएं- कई लोग ऐसे मंदिर रखते हैं कि पूजा करने के बाद उसे लॉक कर दें। ऐसा कतई न करें। मंदिर, पूता के लिए होता है न कि भगवान को अंदर बंद रखने के लिए। मंदिर को खुला रहने दें, इससे घर व उस स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

5. मंदिर की नियमित सफाई करें- आप प्रतिदिन स्नान करते हैं तो मंदिर हर दिन क्यों साफनहीं कर सकते। घर के अन्य हिस्सों की तरह मंदिर की सफाई भी प्रतिदिन कीजिए। हर मूर्ति व तस्वीर को साफकरें, इससे आपको ही अच्छा महसूस होगा।

6. घर पर कितनी मूर्तियां रखें- मंदिर में सिर्फ भगवान होते हैं वहां भौतिकवादिता की कोई जगह नहीं होती है। लेकिन घरों में हम पारिवारिक जीवन जीते हैं इसलिए बहुत ज्यादा मूर्ति या तस्वीरें रखने की आवश्यकता नहीं होती है। घर पर कुछ सीमित ही मूर्तियों व तस्वीरों को रखना चाहिए, जोकि निम्न प्रकार हैं।

7. लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती:कई लोगों का मानना है कि तीनों की मूर्ति आप रख सकते हैं लेकिन कई बार, पुजारियों व विद्वानों के द्वारा इन तीनों देवियों की मूर्ति एक साथ रखने को मना किया जाता है। मानते हैं कि इससे घर में बुरा होता है और स्वास्थ्य पर बुरा असर पडता है। गणेश जी के साथ लक्ष्मी जी का पूजन, दीपावली पर होता है तो इस प्रकार लक्ष्मी जी हर घर में प्रवेश करती हैं। हां, गणेश जी की मूर्ति को आप घर में किसी भी स्थान पर आराम से रख सकते हैं।

8. दो शिवलिंग :घर के मंदिर में शिवलिंग रखना निषिद्ध होता है। कई लोग एक ही शिवलिंग रखना सही मानते हैं, जबकि कायदानुसार एक भी शिवलिंग को नहीं रखना चाहिए। शिवलिंग को सिर्फधार्मिक स्थलों पर ही रखना चाहिए।

9. मूर्तियां व चित्रों को लेकर नियम : घर में कभी भी कृष्ण या राधा / रूक्मिणी या मीरा की तस्वीर को नहीं लगाना चाहिए।

भगवान कार्तिकेय की उनकी दोनों पत्नियों वाल्ली और देवासेना के साथ भी कोई फोटो न लगाएं। गणेश भगवान की रिद्धि और सिद्ध के साथ भी मूर्ति या तस्वीर लगाना, शास्त्रों में मना किया गया है। माना जाता है इससे शादी में समस्या आती है।

पैसों का पेड, जिस पर होना चाहिए यह चीनी सिक्का

धन और समृद्धि का सबसे प्राचीन प्रतीक मध्य में एक वर्ग छेद के साथ एक चीनी सिक्का है। ये फेंगशुई की दुकान पर मिल ही जाता है। यह सिक्का सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। जब आप इस सिक्के का उपयोग करें तो इसे पैसों के पेड पर सजा सकते हैं।व्यापक प्रतीकों में मेंढक एक खजाने पर बैठे और अपने मालिक के पास अच्छे भाग्य लाने। अपने घर में धन का क्षेत्र का स्थान है, और फेंग शुई के सिद्धांत और व्यवहार के अनुसार, पर है दक्षिण-पूर्व, जहां यह धन और समृद्धि के प्रतीक है, साथ ही तावीज और आकर्षण जगह पर व्यापार में अच्छी किस्मत को आकर्षित करती है।यह सिक्का एक ही क्षेत्र में और रखा जा सकता है। इसके अलावा फेंगशुई के अनुसार घर में पैसे के लिए लिफाफे, चीनी पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, लाल होना चाहिए। मौजूदा खर्च के लिए पैसे के साथ लिफाफा चरित्र समृद्धि, एक फूल पूर्ण विकसित दिखने में उसके समान प्रतिनिधित्व करते हैं।चित्रलिपि धन (बॉक्स की तरह) के साथ लिफाफेअधिक एक निश्चित राशि के लिए कुछ भी संचय के लिए उपयुक्त हैं। इन सरल सिफारिशों के बाद और पुराने लक्षण को सुन कर, यह संभव है आप अपने नगदी प्रवाह को आकर्षित करने और इसे अपने परिवार के कल्याण के लिए रखना होगा।

यह व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है

यह रेखा व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है। सूर्य की रेखा को अपोलो रेखा, सफलता रेखा या प्रतिभा रेखा से भी जाना जा सकता है एवं यह हाथ के आकार पर निर्भर करता है । सूर्य रेखा द्वारा व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी की जा सकती है। सूर्य रेखा का उदय, जीवन रेखा, हदय रेखा, चंद्र पर्वत, मंगल स्थान या मष्तिष्क रेखा से होता है । सूर्य की रेखा का आकार, सफलता की सीमा का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और ख्याति बनाए रखने में स्थिरता और उत्पन्न बाधाओं को बताता है । सूर्य रेखा के साथ मष्तिष्क रेखा अगर ढलती हुई जाती हैं तो इससे ज्ञात होता है कि व्यक्ति की सफलता कलात्मक क्षेत्र जैसे कविता, कला, साहित्य, कल्पनाशील पर आधारित क्षेत्र मे होती है। सूर्य रेखा के साथ कई महीन रेखाए ये दर्शाती है कि व्यक्ति कलात्मकता युक्त होता है परन्तु बहुविचारो के कारण वह किसी एक क्षेत्र मे सफलता नही प्राप्त कर पाता । सूर्य रेखा यदि स्पष्ट है तो व्यक्ति संवेदनशील, दयालु और उदार है इसका परिणाम उसे लोकप्रिय बनाता है । सूर्य की रेखा यदि असाधारण रुप से सीधी है तो व्यक्ति अपार धन का स्वामी, सामाजिक शक्ति प्राप्त करता है।

इस रेखा पर यदि तारा हो तो व्यक्ति प्रतिभावान होता है और उसकी स्थायी सफलता निश्चित है । सूर्य रेखा पर यदि वर्ग बना हो तो व्यक्ति अपने नाम और सामाजिक स्थिति के कारण दुश्मन के हमले से सुरक्षित होता है । कर्संदर्भ में दुश्मन के हमले के खिलाफसंरक्षण के संकेत सूर्य रेखा पर एक द्वीप की स्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की निंदा होती है अंतत: एक लोकापवाद के रुप मे सामने आती है । एक प्रतिभाशाली और कलात्मक हाथ पर सूर्य की रेखा की अनुपस्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की कडी मेहनत के बावजूद ख्याति प्राप्त करने मे मुश्किल आती है ।

यदि सूर्य रेखा बिखरी हुई भाग्य रेखा के साथ हो तो व्यक्ति निरंतर विफलताओं और निराशाओं के बावजूद सदैव खुश दिखाई देगा । यदि सूर्य रेखा के साथ भाग्य रेखा भी समानांतर चल रही हो साथ मे मष्तिष्क रेखा भी स्पष्ट हो तो यह एक अत्यंत शुभ संकेत है, और ऐसा व्यक्ति अपार धन का स्वामी, व्यवहारिक और भाग्यशाली होता है । यदि सूर्य की रेखा हाथ मे सपष्ट दिखाई दे और कुछ समय बाद लुप्त हो जाए तो ऐसा व्यक्ति प्राय: दुखी रहता है लेकिन जब सूर्य की रेखा स्पष्ट होती है वो समय उसके लिये सुखमय होता है ।

यदि एक खोखले हाथ पर सूर्य रेखा विध्यामान हो तो ऐसा व्यक्ति निरंतर दुर्भाग्य होने के बावजूद सदेव आशावादी एव तेजस्वी प्रतीत होता है

सूर्य रेखा को अपोलो रेखा, सफलता की रेखा या बुद्धिमत्ता की रेखा के नाम से भी जाना जाता है। यह रेखा कलाई के पास चंद्र पर्वत से निकलकर अनामिका तक जाती है।

बेडरूम में झरने, तालाब की तस्वीर नहीं लगाएं

फेंगशुई सिर्फवस्तुओं को सही जगह रखने का विज्ञान भर नहीं है, बल्कि इससे लव लाइफको भी बेहतर बनाया जा सकता है। इसमें ऐसे कई टिप्स हैं जिसका पालन करके अविवाहित और विवाहित दोनों अपनी जिंदगी में लव का संचार कर सकते हैं। घर में टीवी, कंप्यूटर पर ज्यादा समय न दें बल्कि प्यार को जगाएं।

आपसी बातचीत शादीशुदा जिंदगी में रिश्तों की डोर को मजबूत बनाती है और टीवी और अन्य गैजेट्स इस बातचीत को पूरी तरह खत्म कर देते हैं। इसलिए फेंगशुई के अनुसार अगर शादीशुदा जिंदगी में खुशियां चाहिए तो टीवी को बेडरूम से बाहर निकालना ही होगा। एक ही गदा हो, फेंगशुई के अनुसार पति-पत्नी के बेड पर एक ही गदा होना चाहिए। मसलन अगर डबल बेड है तो भी गद्दा एक ही फुल साइज होना चाहिए। दो गदों का प्रयोग वैवाहिक जोडे के भविष्य के लिए हानिकारक माना जाता है। अलगाव नहीं संबंधों को दें जगह। पति-पत्नी के बेडरूम में अलगाव को दर्शाने वाली चीजें नहीं होना चाहिए। यहां नदी, तालाब, झरना और जल संग्रह आदि की तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए। पुराने रिश्तों को ना दें जगह, अगर पति-पत्नी में से किसी का पहले किसी अन्य से कोई रिश्ता हो तो उसे जुडी हर वस्तु बेडरूम से बाहर रखनी चाहिए। इस बात का ख्याल खासकर उन कपल्स को रखना चाहिए जिनकी या तो तलाक या पहली पति या पत्नी के मरने के बाद दूसरी शादी हुई हो। पानी वाली चीजें रखें बाहर। फेंगशुई के अनुसार पानी प्यार की ऊर्जा में बाधक का काम करता है, इसलिए बेडरूम में झरने, तालाब आदि की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। साथ ही बेडरूम के अंदर किसी तरह का फव्वारा या मछलीघर भी नहीं रखना चाहिए।

पीने के लिए भी बस एक बोतल पानी रात के समय काफी है। बेडरूम में अपना बिस्तर खिडकी या दीवार से सटाकर कभी भी न लगाएं। इससे रिश्तों में तनाव उत्पन्न होता है और आपसी असहयोग की प्रवृत्ति को बढावा मिलता है। घर को थोडा सजाएं, जिन युवाओं को अपना मनचाहा प्रेमी नहीं मिल रहा उन्हें सबसे पहले अपना घर देखना चाहिए। घर को सजाना पॉजिटिव एनर्जी को लाने का सबसे आसान तरीका होता है। घर की साफ-सफाई और सजावट में वक्त दीजिए। फेंगशुई के अनुसार सिंगल कुर्सियां और पक्षी, जानवरों की मूर्ति अकेलेपन को दर्शाती है, इसलिए सिंगल कुर्सियों को हटाएं। घर में जोडे वाले पक्षियों की तस्वीर या मूर्ति लगाए। इससे आपस में प्यार बढेगा। दक्षिण-पश्चिम कोना है बेहतर, फेंगशुई के अनुसार घर का दक्षिण पश्चिम हिस्सा ही प्यार का हिस्सा होता है। इस हिस्से को जितना हो सके सजा कर रखें।

पेंटिंग बदल सकती है किस्मत

● **यदि** हम आस-पास तलाश करें, तो हर तरफनकारात्मकता दिखाई देगी। ऐसे में हम अपने घर में सकारात्मकता का प्रवेश लाने के लिए कुछ आसान से वास्तु उपाय आजमा सकते हैं। ऐसा करने पर आप अपने व्यवसाय और जिंदगी में तरक्की की नई सीढियां चढ सकते हैं।

● जीवित व्यक्ति की तस्वीर या पेंटिंग पश्चिम दिशा में और दिवंगतों की दक्षिण दिशा में होनी चाहिए।

घर में हमेशा उदय होते सूर्य की तस्वीर और पेंटिंग ही लगाएं। क्योंकि अस्त होता सूर्य नकारात्मकता को प्रदर्शित करता है।

● घर में झाडू की वजह से घर में किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा नहीं फैलती है।

बच्चों की तस्वीर, लैंडस्केप या हरा-भरा जंगल आदि जैसे पेंटिंग या फेटो पश्चिम दिशा में लगाना उत्तम माना गया है।

● हिंदू धर्म में झाडू को लक्ष्मी के समान माना जाता है। ध्यान रखें घर का कोई भी सदस्य झाडू को पैर न लगाए। यह लक्ष्मी का अपमान माना जाता है और इससे घर में कई तरह की आर्थिक परेशानियां आ सकती हैं।

● नवविवाहित जोडे की फोटो या पेंटिंग कमरे की उत्तर दिशा या उत्तर-दक्षिण कोने में लगानी चाहिए।

घर में पेंडुलम इसीलिए है जरूरी

परिवर्तन एक क्रियाशील शब्द है।

जो जिंदगी में आगे बढने की सीख देता है। परिवर्तन यांग ऊर्जा को बढावा देता है। फेंगशुई में 'यांग' सकारात्मक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है।

यह नकारात्मक रूप से प्रवाहित हो रही 'चि' ऊर्जा को रोकने में सक्षम है। फेंगशुई विशेषज्ञों का मानना है, 'घर में पेंडुलम वाली घडी, छत के निचले सिरे पर पंखा और टेबल फेन जरूर उपयोग करना चाहिए।'

यह उपकरण आपको इस तरह लगाना चाहिए। जिससे परिवर्तन सा दृश्य हो यानी यह कमरे के दक्षिण क्षेत्र में ऊर्जा को प्रवाहित करें। पूर्व दिशा हमारे जीवन में बहुत महत्व रखती है यह सेक्स और भविष्य निर्माण की शक्ति का संचय रखने में सक्षम है।

यदि ऊपर बताए गए उपकरणों के रंगों का चयन भी सकारात्मक रंगों जैसे पीला, हरा, केसरिया आदि के अनुरूप किया जाए तो यह और भी ज्यादा प्रभावशाली हो जाते हैं।

घर में भोजन कक्ष की ऐसी हो स्थिति

भोजन शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। फेंगशुई के अनुसार यदि भोजन सही दिशा में बैठ कर सर्व किया जाए तो इसका ज्यादा लाभ मिलता है। भोजन बनाने की जगह हमेशा साफ रखनी चाहिए। यहां मौजूद फर्नीचर को व्यवस्थित रखते हुए, डाइनिंग टेबल को कमरे के बीचों बीच ही रखें। ताकि ऊर्जा का प्रवाह ठीक तरह से हो। डाइनिंग टेबल यदि गोलाकार या अष्टकोणीय हो तो ज्यादा प्रभावशाली होती है। वर्गाकार या आयाताकार टेबल के कोने गोल होना चाहिए। यह बेहतर माना गया है। डाइनिंग टेबल के सामने आइना जरूर लगाएं। आईना कुछ इस तरह लगाइए कि खाद्य पदार्थ भी उसमें दिखाई देते रहें। ऐसा करने पर यह घर में अन्न का भंडार खत्म नहीं होने देते। यदि संभव हो सके तो किचिन में फलों और सब्जियों की पेंटिग्स या चित्र भी लगाएं। और टेबल पर फलों को सजाकर रखें। आपका फ्रीज भी सब्जियों और फ्लों से भरा होना चाहिए। ऐसा करने पर आपके घर में समृद्धि बनी रहती है। चीनी फेंगशुई के अनुसार फुक, लुक और साऊ चीनी देवताओं की मूर्तियों को किचिन में लगाना अति सौभाग्यशाली जाता है।

प्रदेश का सबसे बड़ा महाकन्या भोज

3300 बच्चे महाभोज में शामिल हुए , सत्ती चौरा मां दुर्गा मंदिर में उमड़ी भीड़

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग के श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर समिति द्वारा क्वांर नवरात्र पर्व के अवसर पर आज महाकन्या भोज का आयोजन किया गया। जिसमे सैकड़ों की संख्या में कन्या माताओं को एक साथ, एक समय एवं एक स्थान में बैठाकर कन्या भोज कराया गया।

कन्याभोज में 3300 से ज्यादा कन्यामाताओ को भोज कराया गया- आयोजक समिति के योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में इस वर्ष क्वांर नवरात्र पर्व के अवसर पर प्रदेश का सबसे बड़ा एवं ऐतिहासिक कन्याभोज का आयोजन किया गया। कन्याभोज में सबसे पहले सभी कन्यामाताओ दुर्गाधाम पुरानी गंजमण्डी, गंजपारा, दुर्ग में 3300 से ज्यादा कन्यामाताओ को अलग अलग वार्डो से एकत्रित किया गया.जहां समिति की महिला सदस्यों ने सभी कन्यामाताओ को पैर में माहुर (अलता) लगाया एवं सभी को माता का श्रृंगार करके चुनरी उढ़ाकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गंजपारा से दुर्गा मन्दिर पहुंची जहाँ पर सभी कन्यामाताओ को एक साथ बिठाकर कन्याभोज कराया गया।

राजेश यादव कांग्रेस प्रकाश सांखला गौतम जैन गोपाल शर्मा अजय शर्मा अशोक राठी महेश टावरी प्रतिभा सुरेश गुप्ता सुश्री पायल जैन नवकार परिसर प्रवीण भूतड़ा प्रह्लाद रूंगटा दीपक चावड़ा डा मानसी गुलाटी ऋषभ जैन राजकुमार वर्मा कन्या ढीमर दिनेश साहू लीना दुबे नरेंद्र गुप्ता विवेक मिश्रा मनोज शर्मा राहुल शर्मा ईशान शर्मा अर्जित शुक्ला सुजल शर्मा मनोज श्रीवास्तव राजेश शर्मा प्रकाश सिन्हा सुंदर गुप्ता मनीष सेन आशीष मेश्राम हर्षद पारख सोंटी गुप्ता मोहित पुरोहित ऋषि गुप्ता चिंटू शर्मा नमन खंडेलवाल सुयश गुप्ता अनमोल पांडेय वाशु शर्मा प्रकाश कश्यप सोनल सेन वंश पांडेय वेदांत शर्मा श्रीकांत उपाध्याय दीपक पंडा सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक एवं हजारों की संख्या में महिला पुरुष एवं युवा उपस्थित थे.

कार्यक्रम में विजय बघेल सांसद ललित चन्द्राकर विधायक अरुण वोरा पूर्व विधायक राजेंद्र साहू अल्का बाघमार महापौर राजेंद्र साहू धीरज बाकलीवाल

गिरदावरी सत्यापन हेतु एप्प डाउनलोड करें अधिकारी : कलेक्टर

मतदाता सूची मिलान कार्य में प्रगति लायें, कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय सीमा प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने फसल गिरदावरी, मतदाता सूची मिलान, ई-ऑफिस की अद्यतन स्थिति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। कलेक्टर सिंह ने कहा कि एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत धान उत्पादक कृषकों से वर्तमान खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में फसल गिरदावरी के आधार पर भुइयां साफ्टवेयर में प्रविष्ट एवं एग्रीटेक पोर्टल में डिजिटल क्रॉप सर्वे में धान के रकबे के आधार पर धान उपार्जन का कार्य किया जाएगा। एग्रीटेक के डिजिटल क्रॉप सर्वे में किए गए फसल धान की प्रविष्टियों में से 5 प्रतिशत प्रविष्टियों का रेंडम सत्यापन किया जाना है। इस हेतु जिला स्तरीय गिरदावरी निरीक्षण और तहसील स्तरीय गिरदावरी निरीक्षण हेतु अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उक्त सभी अधिकारी-कर्मचारी गिरदावरी सत्यापन हेतु निर्धारित एप्प मोबाइल में डाउनलोड करना सुनिश्चित

करें। साथ ही सत्यापन प्रक्रिया की भली-भांति जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि जिले में मतदाता सूची मिलान का कार्य अभी 65 प्रतिशत तक ही हुआ है। इसमें और प्रगति लाने की आवश्यकता है। कलेक्टर सिंह ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को मतदाता सूची मिलान हेतु बीएलओ को संबंधित क्षेत्र के घर-घर जाकर सूची मिलान करने निर्देशित करने कहा।

उन्होंने जिले में शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण के पश्चात् स्कूलों में शिक्षकों की ज्वायनिंग स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि जो शिक्षक अभी तक निर्धारित स्कूल में अपनी ज्वायनिंग नहीं दिए हैं, ऐसे शिक्षकों के विरूद्ध जिला शिक्षा अधिकारी कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर सिंह ने कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा कि अब से अधिकारी नई फाइल ई-ऑफिस प्रक्रिया के तहत् ही बनाएं। ई-ऑफिस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की दिक्कते होने पर जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी को ई-ऑफिस संचालन के संबंध में मूलभूत आवश्यक जानकारियां ग्रुप के माध्यम से शेयर करने के निर्देश दिए। कार्यालय में अधिकारी एवं फाईल मूवमेंट करने वाले कर्मचारी की जानकारी सभी विभागों को निर्धारित गूगलशीट में अपलोड करने कहा गया। इसी प्रकार जनगणना संबंधित जानकारी प्रपत्र 1, 2 एवं 3 में विभागों से मंगाई गयी है। कलेक्टर सिंह ने वय वंदन कार्ड की जानकारी लेते हुए योजना अंतर्गत लक्ष्य के मुताबिक कार्ड बनाने की प्रक्रिया में प्रगति लाने सीएमएचओ को निर्देशित किया।

रसायन शास्त्र विद्यार्थियों ने बरगढ़ साइंस सेंटर एवं बराबाखरा जलप्रपात का किया शैक्षणिक भ्रमण

सरायपाली। स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉक्टर संध्या भोई के निर्देशन, शब्या पटेल के मार्गदर्शन एवं अनिल गुप्ता, अक्षय कुमार साहू तथा पीतांबर बाघ के नेतृत्व में एमएससी रसायन शास्त्र के विद्यार्थियों ने उड़ीसा राज्य के बरगढ़ जिले में स्थित बरगढ़ साइंस सेंटर एवं बराबाखरा जलप्रपात का शैक्षणिक भ्रमण किया। बच्चों और युवाओं में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और रुचि पैदा करने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने एवं विज्ञान को केवल किताबों तक सीमित न रखकर व्यवहारिक अनुभव करने के उददेश्य से 21 जनवरी 2020 में इस साइंस सेंटर को स्थापित किया गया था। इस केंद्र के मैनेजर गोपीनाथ प्रधान द्वारा इंटरएक्टिव मॉडल, फ्लोटिंग बाल, क्लैप ट्री, 3डी शो, मिरर हाउस,

कार्यशालाएं, तारामंडल, विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल, प्रयोगात्मक उपकरण तथा केंद्र में रखे गए प्रदर्शनी के संबंध में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। यह केंद्र न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि आमजन के लिए भी विज्ञान को जीवन से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने अंबाभाना में बरा पहाड़ पर्वत श्रृंखला पर स्थित बराबाखरा जलप्रपात जलप्रपात जो कि प्राकृतिक सुंदरता, झरने की अद्वितीय ध्वनियां दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं ।महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर सुरेंद्र साई ने अंग्रेजों के खिलाफ अपने संघर्ष के दौरान इस क्षेत्र को अपना शरण स्थल एवं गढ़ बनाया था। जैव विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य और स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियां तथा यहां के शांत वातावरण से सभी विद्यार्थी उत्साहित एवं प्रेरित हुए।इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए विद्यार्थियों ने प्राचार्य डॉक्टर संध्या भोई एवं महाविद्यालय परिवार को धन्यवाद प्रेषित किया है।

स्वच्छता पखवाड़ा, स्कूली छात्रों ने बनाई मानव श्रृंखला, स्वच्छता अपनाने ली शपथ

राजनांदगांव। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के तहत नगर निगम द्वारा महापौर मधुसूदन यादव एवं निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा के नेतृत्व में प्रतिदिन जागरूकता कार्यक्रम शहर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत विभिन्न आयोजन में सभी वर्ग उत्साह से भाग ले रहे हैं और जहां एक ओर मंदिर, तालाब, उद्यान, चौक चौराहों में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ -सफाई किया जा रहा है, वहीं विभिन्न प्रतियोगिता के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता से जोड़ा जा रहा है। अभियान के तहत पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी स्कूल में आयोजित स्वच्छता कायक्रम में छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता अपनाने जागरूक करने का संकल्प लिया। स्वच्छता पखवाडा के तहत संचालित विभिन्न गतिविधियो में पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी स्कूल में आयोजित स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्वच्छोत्सव-

स्वच्छ एवं हरित उत्सव थीम पर मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही अपने परिवार व आसपास के लोगों को साफसुथरा रखने, डस्टबिन का उपयोग करने गंदगी नहीं फैलाने समझास देगे। स्वच्छता के लिये हर वर्ष 100 घण्टे श्रमदान करने, स्वच्छता ही सेवा जन आंदोलन के लिये पूरी निष्ठा के साथ समर्पित करने, अपने घरों का कचरा सड़क पर नहीं फेकने, अपने घरों का गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबीन में रखने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्वच्छता पर अपनी भावना को पेंटिंग के माध्यम से शीट पर उकेरा और पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कर उसकी सुरक्षा करने, जल संरक्षण एवं स्वच्छता अपना बीमारी भगाव को आत्मसात करने प्रेरित किया। विद्यार्थियों को समझाईस दी गई कि चुंकि बच्चे देश के भविष्य है और उन्होने जब स्वच्छता का अलख जगाने बिड़ा उठाया है तो हमारा देश पूर्ण स्वच्छता की ओर अग्रसर होगा।

स्वच्छता के इस पावन कार्य में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 07 अक्टूबर को, निजी क्षेत्र के 1022 पदों पर होगी भर्ती

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग मालवीय नगर चौक दुर्ग में मंगलवार, 07 अक्टूबर 2025 को प्रातः 10.30 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में किरोस सिक्युरिटी के 550 पद (सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाईजर एवं हाउस कीपिंग स्टाफ), निमिया हर्बल प्राइवेट लिमिटेड के 462 पद (अकाउंट मैनेजर) एवं एन्सपिरा मैनेजमेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के 10 रिक्त पद कुल 1022 रिक्त पदों हेतु भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। उक्त सभी पदों हेतु वेतन 14000 से 25000 रूपए तक है, तथा 8वी, 10वी, 12वी, बी.कॉम., बीबीए/एमबीए (मार्केटिंग मैनेजमेंट) एवं कोई भी स्नातक शैक्षणिक योग्यता धारी आवेदक उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित हो सकतें है। विस्तृत जानकारी एवं सोशल मीडिया अथवा रोजगार कार्यालय के सूचना पटल के माध्यम से प्राप्त कर सकते है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण/अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र/आधार कार्ड/ पैन कार्ड/ड्रायविंग लाइसेंस/राशन कार्ड), रोजगार कार्यालय का पंजीयनपत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र समस्त दस्तावेजों की (छायाप्रति) के साथ प्लेसमेंट रोजगार मेला में उपस्थित हो सकते हैं।

महापौर व आयुक्त ने की हवन-पूजन, नगर की सुख-समृद्धि की कामना

दुर्ग। नगर पालिक निगम परिसर स्थित माँ दुर्गा मंदिर में शारदीय नवरात्रि महाअष्टमी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर निगम परिवार के साथ शहरवासी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरे मंदिर परिसर में माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष पूजा-अर्चना से हुई, जिसके बाद महाअष्टमी हवन का आयोजन किया गया। हवन में महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने पूरे विधि-विधान से आहुति दी और नगर की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकार, मनीष साहू, लीना दिनेश देवांगन, संजय कोहले, नीरा खिचड़िया, रेशमा सोनकर, लोकेश्वरी ठाकुर, ललिता ठाकुर, भास्कर कुडले समेत बड़ी संख्या में पार्षद, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। महाअष्टमी पर कन्या भोज की परंपरा का निर्वहन करते हुए नगर निगम परिसर में नव कन्याओं को विशेष भोज कराया गया।

कन्याओं को पूजन के बाद आदरपूर्वक आमंत्रित कर खीर, पुरी, हलवा सहित विविध व्यंजन परोसे गए। कन्याओं के साथ उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी और श्रद्धालु जनों ने भी प्रसाद ग्रहण कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। निगम परिसर में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में महापौर एवं आयुक्त के साथ अधिकारी-कर्मचारी और नगरवासी पूरी आस्था के साथ सम्मिलित हुए। प्रसाद ग्रहण करने के बाद श्रद्धालुओं के चेहरे पर संतोष और आनंद की झलक साफ दिखाई दी। कार्यक्रम के अंत में महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने निगम परिवार एवं शहरवासियों को महाअष्टमी और रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि यह पर्व समाज में सुख, शांति और समृद्धि लाने वाला है।

जवाहर नगर में पीएम आवास योजना व एसटीपी स्थल का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन क्रमांक-02 वैशाली नगर अंतर्गत जवाहर नगर मैदान एवं कुरूद बस्ती के विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना और अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र हेतु प्रस्तावित स्थल का भी जायजा लिया गया। आयुक्त ने बताया कि जवाहर नगर की रिक्त भूमि पर आवासहीन परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पक्के मकान निर्माण का प्रस्ताव है। साथ ही नाले के अपशिष्ट जल उपचार हेतु शासन को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार स्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण, जल पुनर्चक्रण और नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से अपशिष्ट जल उपचार अत्यंत आवश्यक है। कुरूद बस्ती में सड़क और भवन कार्य का निरीक्षण-निरीक्षण के दौरान आयुक्त एवं जोन आयुक्त येशा लहरे ने

कुरूद पुरानी बस्ती में नवनिर्मित सीमेंटीकरण सड़क का अवलोकन किया। सहायक अभियंता अर्पित बंजारे को सड़क की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। इस सड़क निर्माण से बस्ती की संकरी गलियों में रहने वाले लोगों को आवाजाही में सुविधा मिलेगी। स्थानीय निवासियों द्वारा घरेलू कचरा फेंके जाने पर मोहल्लेवासियों को समझाइश दी गई। वहीं, टेंट संचालक द्वारा सामग्री सड़क पर रखने पर सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे को हटवाने के निर्देश दिए गए। रावण दहन स्थल और सामाजिक भवन का भी अवलोकन-आयुक्त ने कुरूद बस्ती बाजार चौक मैदान का निरीक्षण किया, जहां प्रतिवर्ष रावण दहन का आयोजन होता है। उन्होंने मैदान की साफ-सफाई के निर्देश दिए। साथ ही समीपस्थ निर्माणाधीन सामाजिक भवन का भी अवलोकन किया, जो वर्तमान में प्लास्टर की स्थिति में है। कार्य में तेजी लाने के लिए कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

राहुल गांधी को खुलेआम जान से मारने की धमकी, नहीं सहेगा हिन्दूस्तान : कुलबीर

- **खुद भाजपाई आतंकवाद पैदा कर रही है, धमकी देने वाले भाजपा प्रवक्ता पर कार्रवाई की मांग, को लेकर कोतवाली थाने सौंपा ज्ञापन**

राजनांदगांव। भाजपा प्रवक्ता प्रिटू महादेव द्वारा केरल के एक न्यूज चैनल पर लोकसभा नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफभयावह और जघन्य मौत की धमकी देते हुए खुलेआम घोषणा की है कि राहुल गांधी के सीने पर गोली मारी जाएगी। जिसको लेकर शहर जिला कांग्रेस व ग्रामीण कांग्रेस कमेटी द्वारा मंगलवार 30 सितंबर को कोतवाली थाने में नामजर्द शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने व कड़ी से कड़ी कार्यवाही की मांग की है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने बताया कि सत्तारूढ़ दल के एक आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा कहे गए ऐसे जहरीले शब्द न केवल राहुल गांधी के जीवन को खतरे में डालते हैं, बल्कि संविधान, कानून के

शासन और हर नागरिक को मिलने वाले बुनियादी सुरक्षा आश्वासन को भी कमजोर करते हैं। यह एक तरह से हिंसा भड़काने के एक बेशर्म कृत्य है। इससे पहले राहुल गांधी की सुरक्षा का दायित्व संभाल रहे केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने उनकी सुरक्षा को खतरे के बारे में बार-बार कई पत्र लिखे हैं। हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखा गया ऐसा ही एक पत्र रहस्यमय परिस्थितियों में मीडिया में लीक हो गया, जिससे ऐसा करने के पीछे की मंशा पर गंभीर सवाल उठते है। इस पृष्ठभूमि में यह केवल चिंताजनक है। बल्कि बेहद निंदनीय भी है कि भाजपा के एक प्रवक्ता ने इतनी हिम्मत दिखाई कि उन्होंने खुलेआम जान से मारने की धमकी दे दी। इससे राहुल गांधी के खिलाफ हिंसा को जायज ठहराने के लिए रची जा रही एक बड़ी भयावह साजिश की बू आती है। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी से जुड़े या समर्थित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए राहुल गांधी को जान से मारने की धमकियां और हिंसा के आव्हान के कई मामले सामने आए हैं। उन्होंने राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है, यह उस लोकतांत्रिक भावना पर हमला है जिसका वे प्रतिनिधित्व करते है। यह धमकी किसी छोटे से पदाधिकारी का लापरवाही भरा प्रकोप मात्र नहीं है, यह जानबूझकर फैलाए गए नफरत के जहरीले माहौल का प्रतीक है जो विपक्ष के नेता को बिना सोचे-समझे हिंसा का शिकार बना देता है।

बिजली के बिल से मिलेगी मुक्ति, केंद्र और राज्य सरकार दे रही हैं भारी सब्सिडी

सोलर प्लांट लगाने पर मिलेगा 1.08 लाख तक अनुदान, लोन की सुविधा भी उपलब्ध

दुर्ग। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी 2024 में 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' की शुरुआत की गई। इस योजना के तहत मार्च 2027 तक देश के एक करोड़ घरेलू उपभोक्ताओं की छतों पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित करना है, जिससे स्वच्छ, हरित एवं सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सके। इस योजना के तहत केंद्र सरकार एक से तीन किलोवाट क्षमता तक के सोलर प्लांट लगाने पर 30,000 से 78,000 रुपये तक की सब्सिडी सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में प्रदान कर रही है। राज्य सरकार ने इस योजना को और सशक्त बनाते हुए अतिरिक्त राज्यांश सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। एक किलोवाट के सोलर प्लांट पर राज्य सरकार की ओर से 15,000 रुपये, दो किलोवाट पर 30,000 रुपये तथा तीन किलोवाट या अधिक क्षमता के प्लांट पर कुल 1.08 लाख रुपये तक की सब्सिडी केंद्र और राज्य सरकार से

मिलाकर उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। यह राशि सोलर प्लांट की कुल लागत का लगभग 75 प्रतिशत है, जिससे अब आम उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऊर्जा अपनाना काफी सुलभ और किफायती हो गया है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को नेशनल पोर्टल pmsuryaghar.gov.in पर जाकर अपनी बिजली उपभोक्ता संख्या और मोबाइल नंबर दर्ज कर पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपभोक्ता को अपनी सामान्य जानकारी दर्ज करनी होती है और फिर अधिकृत वेंडर का चयन करना होता है। उपभोक्ता ड्रॉपडाउन सूची से वेंडर का चयन कर सकता है और यदि वह संतुष्ट न हो तो वेंडर को बदल भी सकता है। वेंडर चयन के पश्चात उपभोक्ता उसके साथ अनुबंध कर कार्य आरंभ कर सकता है। सोलर प्लांट का कार्य पूर्ण होने के बाद वेंडर को कार्य पूर्णता प्रतिवेदन, कंज़्यूमर एग्रीमेंट, डीसीआर पैनल की जानकारी और उपभोक्ता के साथ सोलर प्लांट का फोटो पोर्टल पर अपलोड करना होता है। यह जानकारी अपलोड होने के बाद संबंधित बिजली विभाग द्वारा भौतिक निरीक्षण किया जाता है और सत्यापन के बाद ई-टोकन जनरेट किया जाता है। यह ई-टोकन उपभोक्ता द्वारा रिडीम किया जाता है और इसके पश्चात केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित सब्सिडी की राशि सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते या ऋण खाते में ट्रांसफर कर दी जाती है। वेंडर चयन के बाद यदि उपभोक्ता लोन लेना चाहता है, तो राष्ट्रीय पोर्टल पर लोन हेतु आवेदन का विकल्प सक्रिय हो जाता है, जिसे चयनित करने पर उपभोक्ता को जनसमर्थ पोर्टल पर रीडायरेक्ट कर दिया जाता है। जनसमर्थ पोर्टल में उपभोक्ता अपने मनपसंद बैंक, उपलब्ध ऋण ऑफर तथा नजदीकी शाखा का चयन कर सकता है और तत्पश्चात डिजिटल अप्रूवल प्राप्त कर सकता है। योजना के अंतर्गत दो लाख रुपये तक के लोन हेतु किसी भी प्रकार के अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत सभी बैंकों द्वारा मात्र 6 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी आसानी से इस योजना से जुड़ सकें। सोलर प्लांट से उत्पन्न बिजली की बिलिंग नेट मीटरिंग पद्धति के माध्यम से की जाती है। इसमें उपभोक्ता के मीटर द्वारा ग्रिड से ली गई बिजली और सोलर प्लांट से ग्रिड में भेजी गई बिजली की गणना की जाती है। इसके आधार पर (इंपोर्ट-एक्सपोर्ट) के अनुसार उपभोक्ता को वास्तविक खपत का बिल जारी किया जाता है। उपभोक्ता अपनी छत पर एक से पांच सौ किलोवाट तक की क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित कर सकते हैं, बशर्ते वह उनकी अनुबंधित बिजली खपत से कम या बराबर हो।

कुर्की की सख्ती का असर : बकायादारों ने भरा 13.35 लाख रुपये संपत्तिकर

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बकाया संपत्तिकर वसूली को लेकर की जा रही सख्त कार्रवाई का असर अब साफनज़र आने लगा है। लंबे समय से बकाया राशि जमा न करने वाले भवन एवं भूमि स्वामियों ने कुर्की की कार्यवाही से बचने के लिए निगम कोष में 13 लाख 35 हजार 547 रुपये जमा किए हैं।आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर निगम अधिनियम 1956 की धारा 175 के अंतर्गत सभी जोन सहायक राजस्व अधिकारियों की विशेष टीम गठित की गई है। यह टीमें लगातार बकायेदारों के घर पहुंचकर कुर्की की कार्यवाही कर रही हैं। निगम प्रशासन ने साफ कर दिया है कि जो लोग अब भी बकाया कर नहीं चुका रहे हैं, उनकी भवन/भूमि की कुर्की कर राशि वसूली जाएगी। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने संपत्तिकर एवं जलकर का बकाया मुख्यालय या नज़दीकी जोन कार्यालय में जाकर समय पर जमा करें।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com